पाठ्यक्रम

स्नातक हिन्दी

(ऑनर्स व शोध)

चार वर्षीय पाठ्यक्रम

(NEP 2020 के अनुसार)

(W.E.F. सत्र : 2025-26)

हिन्दी विभाग, कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	पृष्ठ संख्या
1.	अध्ययन मंडल के बैठक का कार्यवृत्त	2
2.	Programme Outcomes	3
3.	Programme Specific Outcomes	3-4
4.	पाठ्यक्रम संरचना - BA I SEM	5
5.	पाठ्यक्रम संरचना - BA II SEM	6
6.	पाठ्यक्रम संरचना - BA III SEM	7
7.	पाठ्यक्रम संरचना - BA IV SEM	8
8.	पाठ्यक्रम संरचना - BA V SEM	9
9.	पाठ्यक्रम संरचना - BA VI SEM	10
10.	पाठ्यक्रम संरचना - BA VII SEM	11
11.	पाठ्यक्रम संरचना - BA VIII SEM	11
12.	**पाठ्यक्रम संरचना - BA VII SEM**	**12**
13.	**पाठ्यक्रम संरचना - BA VIII SEM**	**12**
14.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA I SEM	14-25
15.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA II SEM	27-40
16.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA III SEM	42-53
17.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA IV SEM	55-64
18.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA V SEM	66-76
19.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA VI SEM	78-87
20.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA VII SEM	89-96
21.	स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA VIII SEM	98-102
22.	**स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA VII SEM**	**104-109**
23.	**स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम - BA VIII SEM**	**111-119**

प्रो. गौरी त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

क्रमांक/ /हिंदी/2025
बिलासपुर, दिनांक :

अध्ययन मण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 07 जुलाई 2025 को हिंदी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बैठक आयोजित की गई ।
- बैठक में अध्ययन मंडल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे ।
- बैठक में प्रस्तावित चार वर्षीय स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार) पर चर्चा की गई जिसके अंतर्गत प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन तथा पंचम, छठे, सातवें और आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम निर्माण को अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया । साथ ही चार वर्षीय स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार) को 2025-26 व आगे के सत्रों में लागू करने की अनुशंसा की गई ।
- बैठक में प्रस्तावित स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम को सत्र 2024-25 से लागू पाठ्यक्रम में आंशिक परिवर्तन के साथ अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया । साथ ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को 2025-26 व आगे के सत्रों में लागू करने की अनुशंसा की गई ।
- एम. ए. प्रथम सेमेस्टर में चतुर्थ प्रश्न पत्र (भारतीय काव्यशास्त्र) के समाननांतर MOOCS पोर्टल से 'भारतीय काव्यशास्त्र' नामक पशन-पत्र शामिल करने की अनुशंसा की गई ।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

क्र. सं.	अध्ययन मंडल के सदस्यगण	पदनाम	हस्ताक्षर
.1	प्रो गौरी त्रिपाठी . प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (ग.छ)	अध्यक्ष	
.2	प्रो योगेन्द्र प्रताप सिंह . आचार्य, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ,प्रयागराज (.प्र.उ) माननीय कुलपति) जी द्वारा नामित वाह्य विषय विशेषज्ञ(	सदस्य	
.3	डॉरमेश कुमार गोहे . सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (.ग.छ)	सदस्य	

प्रो. गौरी त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)
चार वर्षीय पाठ्यक्रम

(NEP 2020 के अनुसार)

ProgrammeOutcomes :

PO1 : हिन्दी साहित्य के विकास के क्रम में साहित्य और समाज के संबंध को विद्यार्थी साहित्य के इतिहास के माध्यम से समझ सकेंगे। उनमें सकारात्मक चेतना मूर्तमान करने में भी यह पाठ्यक्रम सहायक है।

PO2 : हिन्दी का संबंध केवल साहित्य से ही नहीं है, अपितु यह व्यापार की भी भाषा है। आज हिन्दी का बाजार काफी समृद्ध है। फलतः बाजार में टिके रहने के लिए हिन्दी का ज्ञान होना आवश्यक है।

PO3 : समकालीन समय की आपाधापी में साहित्य विवेक जीवन विवेक को समृद्ध करने में सहायक है,इसकी सहायता से विद्यार्थी नैतिक रूप से स्वयं को उन्नत कर सकते हैं ।

PO4 : साहित्यकार साहित्य का निर्माता होने के साथ-साथ संस्कृति और सभ्यता के भी निर्माता होते हैं। कबीर से लेकर रघुवीर तक ने साहित्य की सहायता से सांस्कृतिक विरासत को रूपायित किया है। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम की सहायता से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और परंपरा की गहरी समझ विकसित कर सकते हैं।

PO5 : साहित्य नया ज्ञान, नवाचार हासिल करने और उज्ज्वल भविष्य गढ़ने में सहायक है।

PO6 : सर्जनात्मक लेखन, नाटक और सिनेमा, कला और डॉक्यूमेंट्री आदि की सहायता से उनमें रचनात्मक क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।

Programme Specific Outcomes :

PSO1	साहित्य के ठीक-ठीक अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन आवश्यक है। विद्यार्थियों में समाज और साहित्य की दशा-दिशा और उसके विकास-क्रम की समझ इतिहास से हासिल होगी। अतीत-बोध की सहायता से भविष्य को निश्चित रूप से बेहतर बनाया जा सकता है। सभ्यता के विकास की कहानी कलाओं में दर्ज रहती है। यह समष्टि की सृजनशीलता का प्रतिफल है। किसी भी देश की सभ्यता समीक्षा इसी आधारशिला पर की जाती है। देश की संस्कृति, सभ्यता, रूढ़ि और परंपराओं से परिचित होने के लिए विद्यार्थियों को कला का ज्ञान होना आवश्यक है। व्यावसायिक क्षेत्रों में सफलता के लिए प्रभावशाली संप्रेषण का विशेष महत्व है। शब्दों को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत कर सकने वाला व्यक्ति ही आज के बाजार में टिकाऊ है। हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचनात्मक लेखन आदि पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य आधुनिक हिन्दी के समृद्ध बाजार में विद्यार्थियों को सफल बनाना रहा है।
PSO2	बीसवीं शताब्दी में मध्यवर्ग के उदय के साथ समाज को देखने के साहित्यिक नजरिए में बदलाव शुरू हो गया। साहित्यमेंआधुनिक युग यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिकता का आग्रह के साथ नानाविध रूपों में मूर्तमान हो उठा । बीसवीं शताब्दी में आए इन बदलावों और नए सामाजिक यथार्थ को समझने के लिए विद्यार्थियों में इंटेंस आकांक्षा पैदा करना इस पाठ्यक्रम का मुख्य आकर्षण है। हिन्दी साहित्य की विडंबना यह है कि लोग इसेआधुनिक तकनीक से काटकर देखने के अभ्यस्त हो चुके हैं। इसलिए प्रायः नाटक, निबंध, एकांकी आदि विधाओं के विलुप्त होने के कारण को आलोचक साहित्य के प्रति अरुचि से लगा लेते हैं। दरअसल नाटक, निबंध और एकांकी आदि विधाएँ तकनीक के इस युग में सिनेमा, टेलीविजन, रेडियो और इंटरनेट आदि संचार माध्यमों में हस्तांतरित हो चुकी हैं। इससेहिन्दी का प्रभाव और उसका क्षेत्र विस्तृत हुआ है। सिनेमा और मीडिया का अध्ययन और इसतकनीकि युग में हिन्दी के योगदान को पाठ्यक्रम में रेखांकित करने की एक विनम्र कोशिश की गई है। हिन्दी की भाषिक संरचना का अध्ययन और देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की पहचान के साथ उसके मानकीकरण की प्रक्रिया इसलिए आवश्यक है क्योंकि यदि कोई विदेशी हिन्दी सीखना चाहे, तो भाषा के मानकीकरण के अभाव में कहीं हमारी हिन्दी उसके लिए जटिल, क्लिष्ट और दुर्बोध न हो जाए।

PSO3	साहित्य के वातायन में भारतीय चिंतनधारा और पाश्चात्य चिंतनधारा में कोई भेद नहीं है। इसमें सभी चिंताधाराएँ बेरोकटोक आती-जाती रहती हैं। इसलिए स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) के पाठ्यक्रम में अलग-अलग चिंतनधाराओं के प्राथमिक स्तर का परिचय इस उद्देश्य से शामिल किया गया है कि विद्यार्थी इसकी सहायता से अपनी विवेक बुद्धि के सहारे कुछ नया चिंतन कर सकें और सामाजिक विकास की दिशा में अपनी अग्रगामी भूमिका निभा सकें। लाभ लोभ की अर्थवादिनी सत्ता और कीर्ति व्यवसायिकता के विरुद्ध आदर्श व्यक्ति का निर्माण करना इस पाठ्यक्रम का अनिवार्य लक्ष्य रहा है।
PSO4	हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा रहती है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, उसमें होने वाले परिवर्तनों के भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों से परिचित हों। भाषा की संरचना का अध्ययन, शब्द संपदा से विद्यार्थियों को परिचित कराने के मद्देनजर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में भारतीय ग्रामीण समाज की संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारतीय समाज के विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से हिन्दी उपन्यासों का अध्ययन ज्यादा महत्वपूर्ण है। हितोपदेश और नीतिपरक कथाओं के स्थानापन्न मानव विज्ञान और सामाजिक घटनाओं, परिघटनाओं को आधार बनाकर यथार्थ की पहचान कराने वाली कहानियाँ रची गईं। ओटीटी प्लेटफॉर्म, धारावाहिकों, सिनेमा आदि में व्यवसाय के समृद्धतम रूप में आज साहित्य बेहद संभावनाशील है। सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के दौर में मीडिया का महत्वपूर्ण स्थान है। मीडिया में हिन्दी की केंद्रीय स्थिति और उसके भविष्य के साथ ही हिन्दी के मानकीकरण से यह पाठ्यक्रम बिल्कुल भी अछूता नहीं है। एक ऐसा गद्य जिसमें कविता का स्वाद निहित हो, वह सर्जनात्मक लेखन है। तकनीकि माध्यम से यथार्थ की प्रस्तुति के लिए सर्जनात्मक लेखन की केंद्रीय भूमिका है। साहित्य की विविध विधाओं में सर्जनात्मक लेखन की परंपरा से विद्यार्थियों को अवगत कराने के निमित्त यह प्रश्न-पत्र पाठ्यक्रम में शामिल है।
PSO5	साहित्य मनुष्य की मनुष्यता की अभिव्यक्ति का माध्यम है। मौखिक साहित्य में लोक की सृजनशीलता दृष्टिगोचर होती है। साहित्य को विकसित करने में इसके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। परंपरागत रूप से लिखे गए नाटक और एकांकी का अध्ययन इस दृष्टि से प्रासंगिक और संभावनापूर्ण है कि यह न केवल अभिनय के क्षेत्र में अपितु पटकथा लेखन में भी हिन्दी के बाजार और व्यवसाय का रास्ता खोलती है। मनुष्यों और वस्तुओं के प्रति वैचारिक और संवेदनात्मक रूप से समृद्ध होने के लिए निबंध विधा महत्वपूर्ण है। इसकी सहायता से हिन्दी गद्य साहित्य के क्रमिक विकास से भी विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम छात्रों के भीतर अपने समय और समाज को देखने की एक ऐसी दृष्टि विकसित कर सकेगा जिससे साहित्य का बाजार मसलन् सिनेमा, पटकथा लेखन आदि की क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।
PSO6	साहित्यिक पत्रकारिता व्यावसायिक संभावनाओं से युक्त है। आज लगभग हर जिले से कोई-न-कोई साहित्यिक पत्रिका प्रकाशित हो रही है। इससे छात्र साहित्यिक पत्रकारिता के इतिहास और बाजार में उसकी संभावना से महज परिचित ही नहीं होंगे, बल्कि इस क्षेत्र में दक्ष भी हो सकेंगे। कार्यालयी हिन्दी के रचनात्मक स्वरूप को जानने के लिए और दैनिक जीवन में बरतने के लिए प्रयोजनमूलक हिन्दी आवश्यक है। हिन्दी कविताओं के अध्ययन से छात्र भारतीय इतिहास से परिचित होते हैं। कविता अपने में संगीतात्मकता को समेटे होने के कारण आज सिनेमा बाजार में भी सबसे ज्यादा उपयोगी है। पाठ्यक्रम में शामिल साहित्य संवाद का लक्ष्य साहित्य में विद्यार्थियों की दक्षता और सक्रिय हस्तक्षेप को बढ़ावा देना है।

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

चार वर्षीय पाठ्यक्रम संरचना

(NEP 2020 के अनुसार)

सेमेस्टर – I

Paper No.	**Course Code**	**TITLE**	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	**Total Credit**	Marks INTERNAL	Marks ENDSEMESTER	**TOTAL MARKS**
CORE							
Major	HIUAMJT1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)		4	30	70	100
Minor	HIUAMNT1	हिन्दी कथा साहित्य		4	30	70	100
Multidisciplinary							
MDC	MDCHIT1	साहित्य और समाज		3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC	HIUAAET1	हिन्दी भाषा : सामान्य परिचय		2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC	HIUASET1	रचनात्मक लेखन		3	30	70	100
Value Added Course							
VAC-1		पर्यावरण अध्ययन		2	30	70	100
VAC-2	VACHI01	भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य		2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**210**	**490**	**700**

नोट : VAC 1 में 'पर्यावरण अध्ययन' अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है ।

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)
सेमेस्टर - II

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major	HIUBMJT1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	0	4	30	70	100
VOC	VOCHIT01/ VOCHIL01	कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार	1+3	4	30	70	100
Multidisciplinary							
MDC	MDCHIT2	भारतीय साहित्य	0	3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC	HIUAAET1	हिन्दी भाषा : सामान्य परिचय	0	2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC	SECHI02	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	0	3	30	70	100
Value Added Course							
VAC-1	VACHI02	साहित्य, संस्कृति और हिन्दी सिनेमा	0	2	30	70	100
VAC-2	VACHI01	भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य	0	2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**210**	**490**	**700**

Vocational Courses							
Vocational Courses	VOCHIT01	कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार Theory		1	30	70	100
Vocational Courses	VOCHIL01	कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार Lab		3	30	70	100

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)
सेमेस्टर - III

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1	HIUCMJT1	आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य		4	30	70	100
Major-2	HIUCMJT2	रीतिकालीन काव्य		4	30	70	100
VOC	VOCHIT02 VOCHIL02	पटकथा एवं विज्ञापन लेखन		1+3	30	70	100
Multidisciplinary							
MDC	MDCHIT3	कला और साहित्य		3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC	HIUCAET1	हिन्दी संचार माध्यम		2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC	HIUCSET1	साहित्य और हिन्दी सिनेमा		3	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**180**	**420**	**600**

Vocational Courses							
Vocational Courses	VOCHIT02	पटकथा एवं विज्ञापन लेखन Theory		1	30	70	100
Vocational Courses	VOCHIL02	पटकथा एवं विज्ञापन लेखन Lab		3	30	70	100

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)
सेमेस्टर - IV

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks END SEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1	HIUDMJT1	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा		5	30	70	100
Major-2	HIUDMJT2	हिन्दी अनुवाद अध्ययन		5	30	70	100
Major-3	HIUDMJT3	आधुनिक भारतीय कथा साहित्य		4	30	70	100
VOC	VOCHIT03 VOCHIL03	समीक्षा लेखन		1+3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC	HIUCAET1	हिन्दी संचार माध्यम		2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**150**	**350**	**500**

Vocational Courses							
Vocational Courses	VOCHIT03	समीक्षा लेखन Theory		1	30	70	100
Vocational Courses	VOCHIT03	समीक्षा लेखन Lab		3	30	70	100

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)
सेमेस्टर - V

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks END SEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1	HIUEMJT1	आधुनिक हिन्दी काव्य		5	30	70	100
Major-2	HIUEMJT2	कथेतर गद्य विधाएं		5	30	70	100
Major-3	HIUEMJT3	हिन्दी नाटक एवं एकांकी		5	30	70	100
Minor / VOC	HIUBMNT1	प्रयोजनमूलक हिन्दी कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार		4	30	70	100
Internship	INTHIUE01	परियोजना कार्य, फील्ड वर्क		2			100
SEMESTER TOTAL				**21**	**120**	**280**	**500**

Vocational Courses							
Vocational Courses	VOCHIT01	कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार Theory		1	30	70	100
Vocational Courses	VOCHIL01	कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार Lab		3	30	70	100

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

सेमेस्टर - VI

Paper No.	**Course Code**	**TITLE**	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	**Total Credit**	Marks INTERNAL	Marks END SEMESTER	**TOTAL MARKS**
CORE							
Major-1	HIUFMJT1	भारतीय काव्यशास्त्र		5	30	70	100
Major-2	HIUFMJT2	पाश्चात्य काव्यशास्त्र		5	30	70	100
Major-3	HIUFMJT3	हिन्दी कहानी एवं उपन्यास		5	30	70	100
Minor / VOC	HIUCMNT1	राष्ट्रीय काव्य धारा समीक्षा लेखन		4	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**19**	**120**	**280**	**400**

Vocational Courses							
Vocational Courses		समीक्षा लेखन Theory		1	30	70	100
Vocational Courses		समीक्षा लेखन Lab		3	30	70	100

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)
सेमेस्टर - VII

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks END SEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1		हिन्दी आलोचना		5	30	70	100
Major-2		अस्मितामूलक विमर्श		5	30	70	100
Major-3		शोध प्रविधि		5	30	70	100
Minor		आधुनिक भारतीय काव्य		4	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**19**	**120**	**280**	**400**

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)
सेमेस्टर - VIII

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks END SEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1		समकालीन हिन्दी साहित्य		5	30	70	100
Minor -1		हिन्दी विज्ञान गल्प		4	30	70	100
Research Project/ Dessertation		लघु शोध-प्रबंध		12			200
SEMESTER TOTAL				**21**	**60**	**140**	**400**

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
सेमेस्टर - VII

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks END SEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1		हिन्दी आलोचना		5	30	70	100
Major-2		अस्मितामूलक विमर्श		5	30	70	100
Major-3		हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता		5	30	70	100
Minor 1		आधुनिक भारतीय काव्य		4	30	70	100
Seminar		संगोष्ठी/शोध-पत्र		1	-	-	50
SEMESTER TOTAL				**20**	**120**	**280**	**450**

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)
सेमेस्टर - VIII

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks END SEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1		भक्ति आंदोलन एवं हिन्दी का भक्ति साहित्य		5	30	70	100
Major-2		प्रवासी एवं लोक-साहित्य		5	30	70	100
Minor 1		हिन्दी विज्ञान गल्प		4	30	70	100
Minor 2		छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य		4	30	70	100
Major-3		संगोष्ठी/शोध-पत्र		1	-	-	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**120**	**380**	**500**

Semester I

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER I

प्रश्न-पत्र : MAJOR-1

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

Course Objective:

- हिन्दी साहित्य का क्रमबद्ध विकास
- भक्तिकाल की समानांतर प्रवृत्तियाँ
- भक्तिकाल में लोक और शास्त्र का अंतर्द्वंद्व
- भक्ति काव्य का लोक जागरण
- दरबारी काव्य परम्परा

Syllabus Content:

इकाई एक

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की दृष्टियाँ और परंपरा
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं
हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : काल विभाजन, सीमा निर्धारण एवं नामकरण

इकाई दो

आदिकालीन हिन्दी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं परिस्थितियाँ आधार-सामग्री,
आदिकालीन साहित्य की प्रामाणिकता, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ
सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भ

इकाई तीन

भक्तिकाल : सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक परिस्थितियाँ
आलवार संत, प्रमुख सम्प्रदाय, भक्ति आन्दोलन की प्रेरक शक्तियाँ
सगुण भक्ति साहित्य : रामकाव्य परंपरा और कृष्णकाव्य परंपरा

इकाई चार

निर्गुण भक्ति साहित्य : संत काव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य की विशेषताएँ
भारतीय धर्म साधना और हिन्दी संत काव्य, कबीर की सामाजिक चेतना
सूफी प्रेमाख्यानक काव्य का स्वरुप, काव्य-रुढ़ियाँ

इकाई पांच

रीतिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, दरबारी संस्कृति
प्रमुख काव्य धाराएं – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त
रीतिकाल के प्रमुख कवि एवं उनका आचार्यत्व

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- किसी भी तरह के अनुशासन के व्यवस्थित अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन बेहद आवश्यक है।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।
- साहित्य और समाज का सापेक्ष सम्बन्ध होने के कारण तत्कालीन समाज को समझने में सहायता मिलेगी।
- समाज की लोक परम्परा का ज्ञान बढाने में मदद मिलेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	3	3	3	2	3	1	1	3	2	2
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER I

प्रश्न-पत्र : MINOR-1

हिन्दी कथा साहित्य

Course Objective:

- हिन्दी कथा साहित्य का क्रमबद्ध विकास
- कथा साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- कथा साहित्य में आदर्श और यथार्थ
- कथा साहित्य में जनधर्मिता
- कथा साहित्य में बदलता समय और समाज

Syllabus Content:

इकाई एक

हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, हिन्दी कहानी के तत्व

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी, प्रमुख कहानीकार

इकाई दो

प्रेमचंद युगीन हिन्दी कहानी, प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी

हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, हिन्दी उपन्यास के तत्व

इकाई तीन

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास, प्रमुख उपन्यासकार

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना (कहानी)

उसने कहा था	: चंदधर शर्मा गुलेरी
ग्यारह वर्ष का समय	: रामचन्द्र शुक्ल
हार की जीत	: सुदर्शन
बड़े भाई साहब	: प्रेमचंद
तिरछ	: उदय प्रकाश

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना (उपन्यास)

गबन	: प्रेमचंद
परख	: जैनेन्द्र

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. हिन्दी कहानी का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, वीरेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- कथा साहित्य समाज को दिशा निर्देशित करता है।
- समाज के विकास की दिशा और विभिन्न कालावधियों में उसकी प्रवृत्तियों का अध्ययन के लिए आवश्यक है।
- भारतीय इतिहास और समाज के सांस्कृतिक पक्ष को जानना आवश्यक है ।
- कथा जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है। इसे जानना आवश्यक है ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	2
CO 3	3	3	2	3	1	2	2	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Multidisciplinary

साहित्य और समाज

Course Objective:

- समय व उसकी विडंबनाओं और अंतर्विरोधों को अभिव्यक्त करता साहित्य न सिर्फ अपने समय का दर्पण होता है बल्कि समाज का एक्स-रे कहना ज्यादा तार्किक होगा।
- साहित्य की सभी विधाएं समाज का वास्तविक चित्रण करती हैं।
- साहित्य का अपना समाजशास्त्र होता है जिसे कविताओं और कहानियों के माध्यम से समझा जा सकता है।
- समकालीन साहित्य में समाज का वास्तविक चित्रण दिखाई देता है।
- साहित्य के माध्यम समाज की विविध समस्याओं और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित व विश्लेषित करना।

Syllabus Content:

इकाई एक

साहित्य और समाज की अवधारणा

साहित्य और समाजबोध, साहित्य और समाज का अंतर्संबंध

साहित्य का नया सन्दर्भ, साहित्य की समकालीनता

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

दुष्यंत कुमार : हो गई है पीर पर्वत-सी, गुलमोहर

नीरज : अब तो मजहब कोई ऐसा भी चलाया जाए

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

निराला : किनारा वो हमसे किये जा रहे हैं

नागार्जुन : प्रेत का बयान

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

स्वयं प्रकाश : बर्थडे

प्रियंवद : खरगोश

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

दूधनाथ सिंह : नपनी

निर्मल वर्मा : परिंदे

सहायक ग्रंथ :

1. कुछ कहानियाँ कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. एक दुनिया : समानांतर, (सं.) राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विवेक के रंग, देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. रचना भी आलोचना है, काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. निराला की साहित्य साधना : भाग –2, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. राग-विराग, (सं.) रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes:

- यह प्रश्नपत्र छात्रों के भीतर अपने समय और समाज को देखने की एक ऐसी दृष्टि प्रदान करेगा जिससे साहित्य का बाजार मसलन सिनेमा, पटकथा लेखन आदि की क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Ability Enhancement Course (AEC)

हिन्दी भाषा : सामान्य परिचय

Course Objective:

- हिन्दी भाषा की बनावट और बुनावट का ज्ञान भाषागत प्रयोगों की दिशा और दशा को निर्धारित करती है।
- हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के अलावा अन्य अनुशासनों से जुड़े छात्रों के लिए अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और उसके साहित्य की आधारभूत जानकारी हमेशा अपेक्षित है।
- सामाजिक यथार्थ साहित्यिक लेखन का मुख्य स्रोत है।
- हिन्दी भाषा का उच्चारण और वर्णमाला का सामान्य परिचय आवश्यक है।
- हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचय।

Syllabus Content:

इकाई एक

भाषा : उद्भव एवं विकास, परिभाषा, विशेषताएँ

भाषा और बोली, भाषा के प्रकार—संपर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा।

इकाई दो

देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास,लिपि सुधार के प्रयास

हिन्दी का मानकीकरण।

इकाई तीन

हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ : कार्यालयीन हिन्दी, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं जनसंचार के रुप में हिन्दी।

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

व्यंग्य : विकलांग श्रद्धा का दौर—हरिशंकर परसाई

कविता : अकाल और उसके बाद—नागार्जुन

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कहानी : एक टोकरी भर मिट्टी—माधवराव सप्रे

निबंध : मजदूरी और प्रेम—अध्यापक पूर्ण सिंह

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा और समाज, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली
3. कहानी : स्वरुप और संवेदना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. विवेक के रंग, देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. कहानी : नई कहानी, डॉ. नामवार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कुछ कहानियां कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी वैज्ञानिकता से अनिवार्य रुप से अवगत हों।
- भाषा को ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रुप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिति को बेहतर तरीके से प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।
- हिन्दी भाषा की सामाजिकता और वैज्ञानिकता से परिचित हो सकेंगे।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	2	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Skill Enhancement Course (SEC)

रचनात्मक लेखन

Course Objective:

- व्यावसायिक रचनात्मक लेखन की संभावना।
- जनरुचियों के परिष्करण और उसके अनुसार हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मकता की आवश्यकता।
- साहित्य में विविध विधाओं में जनभाषा की रचनात्मक संभावना।
- रंगमंच लेखन हेतु उपयोगी।
- रेडियो, दूरदर्शन में रचनात्मक लेखन की मांग।

Syllabus Content:

इकाई एक

रचनात्मक लेखन : स्वरुप एवं सिद्धांत, जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रुप : मौखिक एवं लिखित, पद्य, गद्य : कथात्मक एवं कथेतर

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कविता : चम्पा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती—त्रिलोचन

समय की शिला पर— शम्भुनाथ सिंह

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कहानी : परदा – यशपाल

अनुपस्थित— देवेंद्र

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

व्यंग्य : जीप पर सवार इल्लियाँ — शरद जोशी

निबंध : नारीत्व का अभिशाप — महादेवी वर्मा

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

नाटक : एक और द्रोणाचार्य — शंकर शेष

सहायक ग्रंथ

1. आस्था और सौन्दर्य, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भवन्ती, अज्ञेय, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. एक साहित्यिक की डायरी, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. एक कवि की नोटबुक, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कविता का जनपद, अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मंडी में मीडिया, विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- संचार माध्यमों के निर्णायक प्रभाव के इस समय में साहित्य का बाजार तमाम धारावाहिक, कथानकों की प्रस्तुति और सोशल मीडिया में रचनात्मक लेखन का आज सबसे ज्यादा महत्त्व है।
- जीवन-मूल्यों को निर्मित करने वाला भारतीय वाङ्मय आज के बाजार में संचार माध्यमों के द्वारा अपने बाजार मूल्य की प्रचुर सम्भावनाओं को समेटे है।
- भाषा की रचनात्मकता व साहित्य के सापेक्ष उसकी उपादेयता को रेखांकित किया जा सकेगा।
- भाषा के सौंदर्य पक्ष और जनभाषा के तौर पर उसकी सामाजिक उपादेयता को रेखांकित करना।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Value Added Course (VAC 2)

भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य

Course Objective:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरुप से छात्रों का परिचय कराना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरुक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Syllabus Content:

इकाई एक

भारतीय भक्ति परंपरा : भक्ति अर्थ और अवधारणा

भक्ति के विभिन्न संप्रदाय और सिद्धांत

इकाई दो

भारत की सांस्कृतिक एकता और भक्ति

भक्ति का अखिल भारतीय स्वरुप

इकाई तीन

भारत के प्रमुख भक्त और उनके विचार

आण्डाल, मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास और गुरु नानक

इकाई चार

भारत के प्रमुख भक्त और उनके विचार

सूरदास, जायसी, नामदेव, नरसी मेहता, चैतन्य महाप्रभु, सरला दास एवं शंकरदेव

इकाई पांच

मानव मूल्य और भक्ति

मानव मूल्य का अर्थ

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक डॉ नगेंद्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
2. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
3. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1999
4. भक्ति के आयाम, डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. मध्यकालीन हिन्दी काव्य का स्त्री पक्ष, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
7. मध्यकालीन हिंदी भक्ति काव्य : पुनर्मूल्यांकन के आयाम, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बना सकेंगे।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरुप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिलभारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।
- प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes :

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

Semester II

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : MAJOR -1

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Objective:

- नवजागरण की पृष्ठभूमि।
- हिन्दी साहित्य में आधुनिकता की अवधारणा।
- गद्य विधा का विकास और यथार्थवाद।
- हिन्दी कविता में राष्ट्रीयता की भावना।
- स्वाधीनता की कामना।

Syllabus Content:

इकाई एक

आधुनिक काल : सामान्य परिचय, राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

आधुनिकता की अवधारणा और हिन्दी नवजागरण

इकाई दो

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास, हिन्दी के विकास में प्रमुख संस्थानों की भूमिका

हिन्दी नवजागरण में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका

इकाई तीन

भारतेंदु युग : भारतेंदु मंडल और उनके युग के लेखक, समस्या पूर्ति, लोक चेतना

द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, राष्ट्रीय काव्यधारा एवं स्वच्छंदतावादी काव्यधारा के प्रमुख कवि

इकाई चार

छायावाद : छायावादी काव्य की विशेषताएँ, छायावादी काव्य के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ

प्रगतिवाद : प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उनके प्रमुख कवि

प्रयोगवाद और नयी कविता : प्रमुख प्रवृतियाँ व विशेषताएं

समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) : प्रमुख प्रवृतियाँ व विशेषताएं

इकाई पाँच

हिन्दी समीक्षा व आलोचना : उद्भव और विकास

अस्मितामूलक विमर्श : स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श व अन्य विमर्श

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य का इतिहास, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण की समस्याएँ, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. छायावाद, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का इतिहास वास्तव में आधुनिक भारत के इतिहास का भी अध्ययन है।
- प्रथम स्वाधीनता संघर्ष से लेकर आजादी और फिर उसके बाद के राजनीतिक उतार चढ़ाव की समग्र सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि का ब्यौरेवार अध्ययन है।
- भारत के बनते हुए सांस्कृतिक इतिहास को साहित्य के माध्यम से समझने में मदद मिलेगी।
- आधुनिकता और उत्तर आधुनिक समाज के सापेक्ष समाज और साहित्य के अंतर्संबंधों प्रदर्शित किया जा सकेगा।
- साहित्य की सहायता से सामाजिक संवेदनाओं की समझ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	3	2	3	2	3	3	3	3	2	2	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : VOCATIONAL COURSES (VOC)

कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार

Course Objective:

- कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली का परिचय।
- नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता।
- हिन्दी भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता।
- कार्यालयी भाषा के अनुप्रयोग की समझ।
- औपचारिक एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी के कार्यशैली की जानकारी

Syllabus Content:

इकाई एक

कार्यालयीन हिन्दी का स्वरुप, उद्देश्य एवं क्षेत्र

कार्यालयीन हिन्दी का स्वरुप एवं उद्देश्य

कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी

हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ : कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, जनसंचार माध्यम आदि ।

राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान

इकाई दो

हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण)

देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्ष्ट एवं टेक्ष्ट टू स्पीच

हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, आभासी कक्षाएं

इकाई तीन

कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली

शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

कार्यालयीन हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली

इकाई चार

कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालयीन आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालयीन ज्ञापन, विज्ञापन, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र

प्रारुपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिन्दी का मानकीकरण

प्रारुपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारुपण लेखन की पद्धति

टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर

इकाई पांच

कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि अनुप्रयोग

कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास

विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ शोधन

प्रायोगिक कार्य

कम्प्यूटर टाइपिंग, फॉण्ट का ज्ञान ।

हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स ।

यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.टी.पी., पोस्टर निर्माण, स्पीच-टू-टेक्ट एवंटेक्ट-टू-स्पीच ।

हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय ।

संदर्भ ग्रन्थ

1. रामचंद्र सिंह सागर, कार्यालय कार्य-विधि, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली
2. डॉ. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्वांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. डॉ. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरुप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विजयकुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. संतोष गोयल, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रो. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कंप्यूटर एवं कार्यालयी भाषा की समझ
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के कार्यविधि एवं अनुप्रयोग का कौशल
- जनसंचार और हिन्दी के पारिभाषिक तत्वों की पहचान
- कंप्यूटर में हिन्दी के अनुप्रयोग की दक्षता
- कंप्यूटर और हिन्दी की रोजगारपरक संभावनाएं

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : MULTIDISCIPLINARY (MDC)

भारतीय साहित्य

Course Objective:

- भारतीय भाषा और साहित्य से परिचय।
- सांस्कृतिक विविधता एवं एकता की समझ।
- भारतीय साहित्य में अनुवाद का कौशल-विकास।
- साहित्य सृजन की संभावना।
- समाज बोध का विकास।

Syllabus Content:

इकाई एक

भारतीयता की अवधारणा एवं भारतीय साहित्य का स्वरुप

राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता

इकाई दो

भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता

भारतीय संस्कृति एवं समाज बोध

इकाई तीन

भारतीय साहित्य और संस्कृति।

भारतीय साहित्य में वैचारिक एवं भावनात्मक एकता

इकाई चार

भारतीय भाषाओं का काव्य (व्याख्या एवं समीक्षा)

सीताकान्त महापात्र (ओड़िया) - सांझ सवेरा

(लौट आने का समय काव्य संग्रह से, अनुवादक- डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)

सुब्रमण्यम भारती (तमिल) - चमक रहा उत्तुंग हिमालय

(अनुवादक- अनिल जय विजय)

इकाई पांच

भारतीय भाषाओं के गद्य साहित्य का अध्ययन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

हयवदन (नाटक) : गिरीश कर्नाड

पाषाणी (कहानी) : रवीन्द्रनाथ टैगोर

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्य, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. भारतीय साहित्य, राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रकाशन
4. भारतीय साहित्य की अवधारणा, राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, इंदौर
5. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- विद्यार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा।
- भारतीय साहित्य की विधाओं से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्यिक परंपरा से जुड़ना।
- संबंधित विषय में अध्यापन और शोध कार्य की संभावना।
- भारतीय राष्ट्रीय एकता को समझते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करना।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

Semester II

प्रश्न-पत्र : Ability Enhancement Course (AEC)

हिन्दी भाषा : सामान्य परिचय

Course Objective:

- हिन्दी भाषा की बनावट और बुनावट का ज्ञान भाषागत प्रयोगों की दिशा और दशा को निर्धारित करती है।
- हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों के अलावा अन्य अनुशासनों से जुड़े छात्रों के लिए अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और उसके साहित्य की आधारभूत जानकारी हमेशा अपेक्षित है।
- सामाजिक यथार्थ साहित्यिक लेखन का मुख्य स्रोत है।
- हिन्दी भाषा का उच्चारण और वर्णमाला का सामान्य परिचय आवश्यक है।
- हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचय।

Syllabus Content:

इकाई एक

भाषा : उद्भव एवं विकास, परिभाषा, विशेषताएँ

भाषा और बोली, भाषा के प्रकार—संपर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा।

इकाई दो

देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास,लिपि सुधार के प्रयास

हिन्दी का मानकीकरण।

इकाई तीन

हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ : कार्यालयीन हिन्दी, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं जनसंचार के रुप में हिन्दी।

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

व्यंग्य : विकलांग श्रद्धा का दौर—हरिशंकर परसाई

कविता : अकाल और उसके बाद—नागार्जुन

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कहानी : एक टोकरी भर मिट्टी—माधवराव सप्रे

निबंध : मजदूरी और प्रेम—अध्यापक पूर्ण सिंह

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा और समाज, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली
3. कहानी : स्वरुप और संवेदना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. विवेक के रंग, देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. कहानी : नई कहानी, डॉ. नामवार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कुछ कहानियां कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी वैज्ञानिकता से अनिवार्य रुप से अवगत हों।
- भाषा को ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रुप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिति को बेहतर तरीके से प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।
- हिन्दी भाषा की सामाजिकता और वैज्ञानिकता से परिचित हो सकेंगे।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	2	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम

Course Objective:

- साहित्य की विविध विधाओं में सर्जनात्मक लेखन की शुरुआत।
- तकनीकी माध्यम से यथार्थ की प्रस्तुति।
- काव्यात्मक गद्य का आस्वाद निहित है।
- पत्रकारिता लेखन से परिचय।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जानकारी।

Syllabus Content:

इकाई एक

रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरुप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य विधाएँ।

इकाई दो

फीचर लेखन : विषय-निर्धारण,लेखन-प्रविधि।

सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवंखेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

इकाई तीन

साक्षात्कार (इण्टरव्यू-भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि एवंमहत्व ।

स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और नियमित पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन।

इकाई चार

दृश्य-सामग्री : छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि से सम्बद्ध लेखन ।

इकाई पांच

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, आँचलिक पत्रकारिता।

सहायक ग्रंथ :

1. मंडी में मीडिया, विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया लेखन और संपादन कला, डॉ. गोविन्द प्रसाद, अनुपम पांडेय, डिस्कवरी पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली
3. ईश्वर की आँख, उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रचना का अंतरंग, देवेंद्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. उत्तर आधुनिक कथा लेखन और मनोहर श्याम जोशी, डॉ. राजेश मिश्र, युगांतर प्रकाशन, दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- दैनिक समाचार पत्रों, साप्ताहिक पत्रिकाओं, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, स्तम्भ लेखन और सर्जनात्मक लेखन आदि का स्पेस पहले से ज्यादा बढ़ा हुआ है।
- कंटेंट राइटिंग के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण है।

- भाषा का समाज के सापेक्ष अध्ययन संभव होगा।
- रेडियो और दूरदर्शन में फीचर लेखन।
- दृश्य और श्रव्य माध्यम का कौशल विकास।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : VALUE ADDED COURSE - 2

साहित्य, संस्कृति और हिन्दी सिनेमा

Course Objective:

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना।
- छात्रों को नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय ज्ञान परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना।
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण, प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना।

Syllabus Content:

इकाई एक

साहित्य, संस्कृति और हिन्दी सिनेमा का सामान्य परिचय

साहित्य, संस्कृति और सिनेमा का अंतःसंबंध

इकाई दो

साहित्यिक कृतियों पर आधारित हिन्दी सिनेमा

मदर इंडिया (1957) : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

इकाई तीन

हिन्दी सिनेमा में मध्यवर्ग, सिनेमा में नायकत्व की अवधारणा, सिनेमा और आंचलिकता

गर्म हवा (1974), तीसरी कसम (1966) : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

इकाई चार

हिन्दी सिनेमा में सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएँगे (1995) : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

इकाई पांच

सिनेमा : उद्योग एवं कला का सम्बन्ध

लापता लेडीज (2024) : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

सन्दर्भ सूची :

1. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, (सं.) डॉ. नगेंद्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
2. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आ. रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
6. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

Course Learning Outcomes :

- भारतीय संस्कृति के जीवंत मूल्यों का संरक्षण
- सामाजिक रुढ़ियों और अंधविश्वासों को दूर करने में सहायक

- नवीन मूल्यों की स्थापना
- फिल्म उद्योग और कला से परिचय
- सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

Semester II

प्रश्न-पत्र : Value Added Course (VAC 3)

भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य

Course Objective:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरुप से छात्रों का परिचय कराना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरुक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Syllabus Content:

इकाई एक

भारतीय भक्ति परंपरा : भक्ति अर्थ और अवधारणा

भक्ति के विभिन्न संप्रदाय और सिद्धांत

इकाई दो

भारत की सांस्कृतिक एकता और भक्ति

भक्ति का अखिल भारतीय स्वरुप

इकाई तीन

भारत के प्रमुख भक्त और उनके विचार

आण्डाल, मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास और गुरु नानक

इकाई चार

भारत के प्रमुख भक्त और उनके विचार

सूरदास, जायसी, नामदेव, नरसी मेहता, चैतन्य महाप्रभु, सारला दास एवं शंकरदेव

इकाई पांच

मानव मूल्य और भक्ति

मानव मूल्य का अर्थ

सहायक ग्रन्थ :

8. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक डॉ. नगेंद्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
9. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
10. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1999
11. भक्ति के आयाम, डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. मध्यकालीन हिन्दी काव्य का स्त्री पक्ष, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
14. मध्यकालीन हिंदी भक्ति काव्य : पुनर्मूल्यांकन के आयाम, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बना सकेंगे।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरुप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिलभारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।
- प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes :

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

Semester III

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : MAJOR -1

आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

Course Objective:

- आदि काव्य की पृष्ठभूमि।
- भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि ।
- हिन्दी साहित्य का विकास।
- संत काव्यधारा में मानवीय मूल्य।
- खड़ी बोली हिन्दी का विकास।

Syllabus Content:

इकाई एक

आदिकालीन काव्य : आदिकालीन काव्य की पूर्वपीठिका, अपभ्रंश काव्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य,

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो (शशिव्रता विवाह समय)

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

अमीर खुसरो : पहेलियाँ और मुकरियाँ-

दोहा - 1. खुसरो रैन सुहाग की..., 2. खुसरो दरिया प्रेम का..., 3. खीर पकायी जतन से..., 4. गोरी सोवे सेज पर...

गीत – छाप-तिलक तज दीन्हीं रे, जब यार देखा नैन भर, ज़े हाले मिसकीं मकुन तग़ाफ़ुल (हिंदवी वेबसाईट से)

विद्यापति : पदावली—1 से 5 पद (विद्यापति : संपादक डॉ. शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई तीन

भक्तिकालीन काव्य : भक्ति काव्य की पूर्वपीठिका, भक्तिकाव्य की काव्य-प्रवृत्तियाँ।

संत काव्य धारा (निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा) : सामान्य परिचय

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कबीर—पद संख्या 160-165 [कबीर : सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी]

इकाई चार

सूफी काव्य धारा (निर्गुण प्रेममार्गी शाखा) : सामान्य परिचय

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

जायसी— सिंहलदीप खण्ड [जायसी ग्रंथावली : सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल]

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

रामभक्ति शाखा (सगुण काव्यधारा) : तुलसीदास—रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) (गीता प्रेस, गोरखपुर)

पद : 1. रहेउ एक दिन अवधि अधारा। समुझत मन दुख भयउ अपारा ।।

2. दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि व्यापा ।।

3. सब उदार सब पर उपकारी। विप्र चरन सेवक नर नारी ।।

4. परहित सरिस धर्म नहीं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई ।।

5. ग्यान पंथ कृपान कै धारा। परत खगेस होई नहिं बारा ।।

इकाई पाँच

कृष्णभक्ति शाखा (सगुण काव्यधारा) : सूरदास—भ्रमरगीत सार (संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

पद : 1. आयो घोष बड़ो व्योपारी। लादि खेप गुण ज्ञान-योग की ब्रज में आय उतारी।

2. जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं। यह ब्यौपार तिहारो ऊधो ऐसोई फिर जैहै।।

3. आए जोग सिखावन पांड़े । परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टांड़े।।

4. हम तौ दुहूं भांति फल पायो। जो ब्रजनाथ मिलैं तो नीको नातरु जग जस गायो।।

5. लरिकाई कौ प्रेम, कहौ अलि, कैसे, करिकै छूटत ?

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

रसखान : सामान्य परिचय

सुजान रसखान (सं.- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

पद : 1. मानुष हौं तौ वही रसखान 2. सेष, गनेस, महेस, दिनेस

3. लाय समाधि रहे ब्रह्मादिक योगी 4. गुंज गरै सिर मोरपखा

सन्दर्भ सूची :

1. भक्ति काव्य और लोक जीवन, शिवप्रसाद मिश्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
2. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य के संक्रमण की भूमिका, डॉ. राजेश मिश्र,पिल्ग्रिम्स प्रकाशन, वाराणसी
4. मध्यकालीन बोध का स्वरुप, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कवि परंपरा के बदलाव की पहचान
- खड़ी बोली हिन्दी के स्वरुप का परिचय
- संत एवं भक्ति काव्य परंपरा में मानवीय मूल्यों की पड़ताल
- प्रमुख काव्य परम्पराओं के संक्रमण की स्थितियों का ज्ञान
- आदि एवं मध्ययुगीन काव्य के सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : MAJOR-2

रीतिकालीन काव्य

Course Objective:

- रीति काव्य परंपरा।
- दरबारी काव्य की अवधारणा।
- सामंतवादी काव्य मूल्य।
- रीतिकालीन लोक काव्य।
- कवियों का आचार्यत्व, लक्षण एवं लक्ष्य ग्रन्थ।

Syllabus Content:

इकाई एक

रीतिकालीन काव्य : सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि,
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
रीतिकाव्य के भेद (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) लक्षण और प्रवृत्तियाँ,
प्रमुख रीतिकालीन कवि।

इकाई दो

बिहारी व घनानंद : सामान्य परिचय
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
बिहारी सतसई : दोहा संख्या 1 से 5 (सं.- जगन्नाथ दास रत्नाकर)
घनानंद कवित्त : दोहा संख्या 1 से 5 (सं.- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

इकाई तीन

नजीर अकबराबादी व देव : सामान्य परिचय
नजीर अकबराबादी - श्री कृष्ण का बालपन : संदर्भ कविता समय संपादक डॉ. गौरी त्रिपाठी
देव - दीपशिखा : संदर्भ कविता समय संपादक डॉ. गौरी त्रिपाठी

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
शेख आलम : सामान्य परिचय
पद : 1. जा थल कीन्हें बिहार अनेकन 2. लता प्रसून डोल बोल
3. दाने की न पानी की 4. कर्म को बियापी को है

इकाई : पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
केशवदास : सामान्य परिचय
रामचंद्रिका : अंगद रावण संवाद

सन्दर्भ सूची :

1. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. रीति-काव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

3. हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास (षष्ठ भाग), सं. डॉ. नगेन्द्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी रीति साहित्य, भागीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य के संक्रमण की भूमिका, डॉ. राजेश मिश्र, पिल्ग्रिम्स प्रकाशन, वाराणसी

Course Learning Outcomes :

- दरबारी काव्य प्रवृत्ति के वैभव कापरिचय
- श्रृंगार के विविध अवयवों का ज्ञान
- रीति की लोकव्याप्तिऔर शास्त्रीय स्वरुप की पहचान
- लोक कवियों के जीवनानुभवों का ज्ञान
- अशरीरी प्रेम के आनुभूतिक संवेदना की पहचान

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : Vocational Cource (VOC)

पटकथा एवं विज्ञापन लेखन

Course Objective:

- विद्यार्थियों को विज्ञापन का अर्थ स्पष्ट रुप से समझाना ।
- पटकथा एवं विज्ञापन लेखन के मूल सिद्धांतों को समझना ।
- विद्यार्थियों को विज्ञापन की विभिन्न प्रकारों का ज्ञान देना ।
- विद्यार्थियों को विज्ञापन के विभिन्न पहलुओं की समझ को विकसित करना ।
- विद्यार्थियों को विज्ञापन द्वारा विभिन्न रोजगार के क्षेत्र का ज्ञान प्रदान करना ।

Syllabus Content :

सैद्धांतिकी

इकाई एक

पटकथा लेखन : परिभाषा, स्वरुप और अवधारणा

पटकथा लेखन के विभिन्न प्रकार (नाटक, फिल्म, टेलीविजन आदि)

पटकथा के बीज, विवरण सारसंक्षेप और पटकथा

इकाई दो

कथा से पटकथा : माध्यम रुपांतरण

पटकथा संरचना और पात्र निर्माण

लक्ष्य निर्धारण और संदेश निर्माण

इकाई तीन

विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप और भेद

विज्ञापन का महत्व, उद्देश्य और लेखकीय दायित्व

विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया और आरेखन तथा आलेखन

विज्ञापन की भाषा (मूल भाषा, अनुवाद, हिन्दी भाषा)

विज्ञापन लेखन के प्रमुख तत्व, विज्ञापन के क्षेत्र में मीडिया का महत्व

प्रायोगिक कार्य

इकाई चार

माध्यम रुपांतरण करना, मौलिक कहानी लेखन, मौलिक नाटक लेखन ।

लघु फिल्म पटकथा लेखन कार्य ।

फिल्म की पटकथा का विश्लेषण ।

कथा संरचना, पात्र निर्माण और संवाद लेखन का विश्लेषण ।

इकाई पांच

विज्ञापन लेखन – किसी उत्पाद या सेवा के लिए ।

लक्ष्य निर्धारण, संदेश निर्माण, विज्ञापन के विभिन्न प्रकार का विज्ञापन ।

समूह में विज्ञापन बनाना, सामूहिक संवाद कौशल विकसित करना ।

विज्ञापन डिजाइन : फोटो/छवि, रंग और फॉन्ट का उपयोग ।

पोस्टर का निर्माण, ब्रोसर निर्माण, ऑडियो/वीडियो विज्ञापन निर्माण, इवेंट मार्केटिंग, डिजिटल विज्ञापन ।

सहायक ग्रंथ :

- विज्ञापन की दुनिया, कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
- जनसंचार माध्यमों में, हिन्दी-चंद्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी
- आधुनिक विज्ञापन लेखन, डॉ. अनिल सिंह एवं डॉ. रीना सिंह, परिदृश्य प्रकाशन मुंबई
- पत्रकारिता के विभिन्न स्वरूप, ज्ञानेंद्र रावत, नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
- संपादन कला, डॉ. संजीव भानावत, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
- पटकथा कैसे लिखें, राजेंद्र पांडेय, वाणी प्रकाशन, पटना, 2015
- पटकथा लेखन एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली, 2000

Course Outcomes:

- विद्यार्थी अब विज्ञापन के अर्थ से परिचित हैं. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान प्राप्त हो चुका है.
- विद्यार्थी विज्ञापन के विभिन्न पहलुओं को जान चुके हैं.
- विद्यार्थियों को विज्ञापन द्वारा विभिन्न रोजगारों के क्षेत्र का ज्ञान प्राप्त हो चुका है.

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : MULTIDISCIPLINARY

कला और साहित्य

Course Objective:

- भारतीय नाट्य परम्परा का ज्ञान
- रंगमंच की सामाजिक भूमिका
- कला और रचना के अन्तःसम्बन्ध
- नुक्कड़ नाटकों की व्यावसायिक संभावना
- साहित्यिक विधाओं की सामाजिकता

Syllabus Content :

इकाई एक

कला के रुप और सौन्दर्य, कला और समाज का चित्रण

कला के शाश्वत तत्व, लोक साहित्य की अवधारणा

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

मास्टर : नागार्जुन(कविता)

जिस भी दिन बिछड़ गया प्यारे : भारत भूषण (कविता)

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

भोर का तारा : जगदीश चन्द्र माथुर (एकांकी)

पेशोला की प्रतिध्वनि : जयशंकर प्रसाद (कहानी)

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

गुल की बन्नो : धर्मवीर भारती (कहानी)

बदबू : शेखर जोशी (कहानी)

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

क्या तुमने कभी कोई सरदार भिखारी देखा ? : स्वयं प्रकाश (कहानी)

आँगन में बैंगन : हरिशंकर परसाई (निबंध)

सहायक ग्रंथ :

1. काव्य कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, डायमंड पाकेट बुक्स, नई दिल्ली
2. चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. यथार्थवाद – डॉ. शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नई कविता और अस्तित्ववाद – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कला के विविध रूपों का अध्ययन मूलतः सभ्यता के विकास का अध्ययन है, जिसमें लोक के सुख-दुःख, उल्लास और वेदना की भावाभिव्यक्ति होती है।
- यह मूलतः समष्टि की सृजनशीलता का परिणाम है।
- कला का लिखित रूप कालान्तर में साहित्य के रूप में जाना गया, जो व्यष्टि की सृजनशीलता का परिणाम है।
- साहित्य का अध्ययन समाज और इतिहास का अध्ययन है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)

हिन्दी संचार माध्यम

Course Objective:

- सूचना और जनसंचार का ज्ञान
- विज्ञापन की व्यावसायिक संभावना
- फिल्मों की सामाजिक भूमिका
- साहित्यिक विधाओं की सामाजिकता
- ज्ञान और सूचना का सामंजस्य

Syllabus Content :

इकाई एक

प्रिंट मीडिया

प्रिंट मीडिया का सामान्य परिचय, हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

इकाई दो

इलेक्ट्रानिक मीडिया

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी

जनमाध्यम और विज्ञापन

इकाई तीन

फिल्म समीक्षा

पटकथा लेखन : परिचय और स्वरुप, फिल्म समीक्षा के सामाजिक उपादान

पुस्तक समीक्षा

समीक्षा लेखन के प्रमुख तत्व, सामग्री संकलन और विश्लेषण, पुस्तक समीक्षा की सावधानियाँ

इकाई चार

हिन्दी भाषा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

सामाजिक जनमाध्यमों का प्रयोग : सोशल मीडिया

इकाई पांच

विज्ञापन मीडिया

विज्ञापन लेखन के प्रमुख तत्व, विज्ञापन के क्षेत्र में मीडिया का महत्व

सहायक ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया और हिन्दी : बदलती प्रवृत्तियाँ, सं. रवीद्र जाधव, केशव मोरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन की दुनिया, कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
4. पुस्तक समीक्षा का परिदृश्य, सं. शिवनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रिंट मीडिया लेखन, डॉ. हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन, नई दिल्ली
6. मीडिया जनतंत्र और आतंकवाद, सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. फिल्म पत्रकारिता, विनोद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के रूप में आधुनिकता की पहचान।
- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका, उसका स्वरूप और उसकी चुनौतियों का रेखांकन।
- आज के युग में संचार माध्यम की भूमिका का अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संभव हो सकेगा।
- संचार माध्यम के नाना रूपों में हिन्दी की संभावनाओं से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
- हिन्दी संचार माध्यमों की व्यवसायिकता की पहचान हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	1	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

साहित्य और हिन्दी सिनेमा

Course Objective:

- साहित्य और सिनेमा का सम्बन्ध
- संवेदना का सिनेमाई रुपांतरण
- मनोरंजन माध्यमों में हिन्दी का बाजार
- लोकतंत्र, साहित्य और सिनेमा
- भूमंडलीकरण और सिनेमा

Syllabus Content :

इकाई एक

सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति ।

इकाई दो

हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, समानांतर सिनेमा, भूमंडलीकरण और हिन्दी सिनेमा ।

इकाई तीन

साहित्य और सिनेमा : अंतरसंबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रुपान्तरण और तकनीक ।

इकाई चार

निर्धारित फिल्म समीक्षा

आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या

1947 से 1970 : नया दौर, आवारा

इकाई पांच

निर्धारित फिल्म समीक्षा

1970 से 1990 : आक्रोश, शोले, आँधी

1990 से अद्यतन : तारे जमीं पर, थ्री इडियट्स, मुन्नाभाई एम.बी.बी.एस.

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय सिनेमा का इतिहास, अनिल भार्गव, सिने साहित्य प्रकाशन, जयपुर
2. हिन्दी सिनेमा – आदि से अनंत, प्रह्लाद अग्रवाल, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
3. पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कथा-पटकथा, मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सिनेमा समय, विष्णु खरे, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- साहित्य की एक नयी विधा के रुप में सिनेमा का विकास।
- सिनेमा के रुप में आज इसका बहुत बड़ा बाजार भी है।

- स्क्रिप्ट राइटिंग का क्षेत्र के माध्यम से हिन्दी की व्यावसायिक संभावना।
- सामाजिक एवं साहित्यिक परिवर्तनों का फिल्मों में रूपांतरण।
- भारतीय लोकतंत्र को संरक्षित और परिवर्धित करने में सिनेमा की भूमिका।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	2	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

Semester IV

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : MAJOR I

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

Course Objective :

- भाषा की संरचना का अध्ययन
- भाषा के अवयवों का अध्ययन और विश्लेषण
- भाषा के विकास की प्रकृति और शब्द भण्डार
- भाषा-बोली की विशेषताओं का अध्ययन
- भाषा की विविध स्थितियों का परिचय

Syllabus Content :

इकाई एक

भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।

भाषा विज्ञान : परिभाषा, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध ।

इकाई दो

स्वनिम विज्ञान : स्वन, परिभाषा, वागीन्द्रियाँ।

स्वनों का वर्गीकरण : स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।

इकाई तीन

रुपिम विज्ञान : शब्द और रुप (पद), पद विभाग : नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।

इकाई चार

अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई पांच

राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रुप में हिन्दी।

देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, जोधपुर
3. हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु, पराग प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

Course Learning Outcomes :

- भाषा की संरचना और परिवर्तन के कारणों का ज्ञान
- भाषा के सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक स्वरूप का अध्ययन।
- भाषा की सामान्य विशेषताओं का परिचय
- लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति की जानकारी
- भाषा के व्याकरण और साहित्य से विद्यार्थियों का सामान्य परिचय।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : MAJOR 2

हिन्दी अनुवाद अध्ययन

Course Objective :

- विद्यार्थियों को हिन्दी अनुवाद का अर्थ स्पष्ट रुप से समझाना ।
- हिन्दी अनुवाद व उसके मूल सिद्धांतों को समझना ।
- विद्यार्थियों को विज्ञापन की विभिन्न प्रकारों का ज्ञान देना ।
- विद्यार्थियों को विज्ञापन के विभिन्न पहलुओं की समझ को विकसित करना ।
- विद्यार्थियों को विज्ञापन द्वारा विभिन्न रोजगार के क्षेत्र का ज्ञान प्रदान करना ।

Syllabus Content :

इकाई एक

हिन्दी अनुवाद : स्वरुप और भेद

अनुवाद : तात्पर्य तथा स्वरुप

अनुवाद प्रक्रिया तथा सिद्धांत

अनुवादक के गुण

सफल अनुवाद की विशेषताएं

इकाई दो

कार्यालयी अनुवाद

कार्यालयी भाषा : स्वरुप तथा विशेषताएं

कार्यालयी कार्य विधि। कार्यालयी अनुवाद की व्याप्ति

कार्यालयी अनुवाद का स्वरुप एवं समस्याएं

इकाई तीन

जनसंचार माध्यम : अनुवाद

जनसंचार माध्यमों की भाषा : स्वरुप और विशेषताएं

मुद्रित माध्यमों के लिए अनुवाद

इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए अनुवाद

जनसंचार माध्यमों के लिए अनुवाद

इकाई चार

विधि तथा वैज्ञानिक – तकनीकी अनुवाद

विधि की भाषा : स्वरुप एवं विशेषताएं

वैज्ञानिक-तकनीकी भाषा : स्वरुप एवं विशेषताएं

विधि अनुवाद : स्वरुप, व्याप्ति, समस्याएं तथा समाधान

वैज्ञानिक-तकनीकी अनुवाद : व्याप्ति, समस्याएं तथा समाधान

इकाई पाँच

अनुवाद का व्यावसायिक परिदृश्य

अनुवाद संबंधी संस्थाएं और कार्य

अनुवाद का भाषिक पक्ष एवं अनुवाद का सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद के सिद्धांत, रामालु रेड्डी
2. अनुवाद सिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र
3. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद, सुरेश सिंहल

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : MINOR 1

आधुनिक भारतीय कथा साहित्य

Course Objective :

- स्वाधीनता संग्राम के अखिल भारतीय स्वरूप का अध्ययन
- नवजागरण का साहित्य पर प्रभाव
- राष्ट्रीयता बोध की पहचान
- भारतीय दर्शन के साहित्यिक स्वरूप की पहचान
- भारतीय साहित्य की आधुनिक रचनात्मकता के सरोकार

Syllabus Content :

इकाई एक

स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव

भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता

आधुनिक भारतीय कथा साहित्य : स्वरूप व परिचय

इकाई दो

महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

आधुनिक भारतीय कथा साहित्य के नए संदर्भ

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

मछुआरे (उपन्यास) : ताराशंकर पिल्लई

नौका डूबी (कहानी) : रवींद्र नाथ टैगोर

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

जंगली बूटी (कहानी) : अमृता प्रीतम

खामोश अदालत जारी है (नाटक) : विजय तेंदुलकर

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

स्वतंत्रता (तमिल कविता) : सुब्रमण्यम भारती

अंतिम ऊंचाई (हिन्दी कविता) : कुँवर नारायण

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक भारतीय कविता – सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नंदकिशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रस्साकशी– वीरभारत तलवार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतेन्दु हरिश्चंद और नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण– डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
6. समय और संस्कृति– श्यामाचरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- भारतीय साहित्य से परिचय।
- भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता संग्राम के अखिल भारतीय स्वरुप का अध्ययन।
- भारतीय साहित्य के सौन्दर्यबोध की पहचान।
- भारतीय वैविध्यता को एक्यता में देखने की दृष्टि का विकास।
- आधुनिक रचनात्मकता और समाजबोध की चेतना का परिचय

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	3	3	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : VOCATIONAL COURSES

समीक्षा लेखन

Course Objective :

- नाटकों एवं एकांकियों का अभिनय ।
- फिल्म की भाषा और लेखन का ज्ञान
- पीढ़ियों के बदलाव और नए समाजबोध का अध्ययन
- सूचना और ज्ञान में अंतर की पहचान
- सोशल मीडिया के नए उपादानों का ज्ञान

Syllabus Content :

इकाई : एक

समीक्षा लेखन का स्वरुप
समीक्षा लेखन के प्रमुख तत्व
समीक्षा लेखन की सावधानियाँ
समीक्षा लेखन और भाषा

इकाई : दो

फिल्म समीक्षा : परिचय और स्वरुप, सामाजिक उपादान
साहित्य और सिनेमा का अंतरसंबंध
विभिन्न साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों की समीक्षा – सारा आकाश, तमस, शतरंज के खिलाड़ी
विभिन्न साहित्यिक कृतियों पर आधारित धारावाहिक – भारत : एक खोज, नीम का पेड़, मालगुड़ी डेज

इकाई : तीन

पुस्तक समीक्षा : परिचय और स्वरुप
पुस्तक समीक्षा के प्रमुख तत्व, सामग्री संकलन और विश्लेषण
पुस्तक समीक्षा के प्रकार : परिचयात्मक समीक्षा, विश्लेषणात्मक समीक्षा, मूल्यांकनपरक समीक्षा
पुस्तक समीक्षा की सावधानियाँ

इकाई : चार

हिन्दी कहानियों की व्यावहारिक समीक्षा
प्रेमचंद, यशपाल, मन्नू भण्डारी, सुदर्शन, शिवानी की प्रमुख कहानियाँ ।

इकाई : पांच

हिन्दी उपन्यासों की व्यावहारिक समीक्षा
ममता कालिया – दौड़, काशीनाथ सिंह - अपना मोर्चा, जुलूस – फणीश्वरनाथ रेणु

सहायक ग्रंथ :

1. पुस्तक समीक्षा का इतिहास, डॉ. श्रीमती संतोष संघी, मोहनलल राका एंड कंपनी, जयपुर
2. पुस्तक समीक्षा का परिदृश्य, संपादक शिवनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. काव्य पुस्तक समीक्षा का स्वरुप, संपादक रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. फिल्म पत्रकारिता, विनोद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	1	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)

हिन्दी संचार माध्यम

Course Objective:

- सूचना और जनसंचार का ज्ञान
- विज्ञापन की व्यावसायिक संभावना
- फिल्मों की सामाजिक भूमिका
- साहित्यिक विधाओं की सामाजिकता
- ज्ञान और सूचना का सामंजस्य

Syllabus Content :

इकाई एक

प्रिंट मीडिया

प्रिंट मीडिया का सामान्य परिचय, हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

इकाई दो

इलेक्ट्रानिक मीडिया

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी

जनमाध्यम और विज्ञापन

इकाई तीन

फिल्म समीक्षा

पटकथा लेखन : परिचय और स्वरुप, फिल्म समीक्षा के सामाजिक उपादान

पुस्तक समीक्षा

समीक्षा लेखन के प्रमुख तत्व, सामग्री संकलन और विश्लेषण, पुस्तक समीक्षा की सावधानियाँ

इकाई चार

हिन्दी भाषा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

सामाजिक जनमाध्यम : सोशल मीडिया

इकाई पांच

विज्ञापन मीडिया

विज्ञापन लेखन के प्रमुख तत्व, विज्ञापन के क्षेत्र में मीडिया का महत्व

सहायक ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया और हिन्दी : बदलती प्रवृत्तियाँ, सं. रवीद्र जाधव, केशव मोरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन की दुनिया, कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
4. पुस्तक समीक्षा का परिदृश्य, सं. शिवनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रिंट मीडिया लेखन, डॉ. हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन, नई दिल्ली
6. मीडिया जनतंत्र और आतंकवाद, सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. फिल्म पत्रकारिता, विनोद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के रुप में आधुनिकता की पहचान।
- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका, उसका स्वरुप और उसकी चुनौतियों का रेखांकन।
- आज के युग में संचार माध्यम की भूमिका का अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संभव हो सकेगा।
- संचार माध्यम के नाना रुपों में हिन्दी की संभावनाओं से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
- हिन्दी संचार माध्यमों की व्यवसायिकता की पहचान हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	1	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

SEMESTER V

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER V

प्रश्न-पत्र : MAJOR 1

आधुनिक हिन्दी काव्य

Course Objective:

- आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृतियों से परिचित कराना
- आधुनिकता की अवधारणा और मनुष्य के अंतःसंबंध का विश्लेषण करना ।
- वैश्वीकता और आधुनिकता के प्रमुख क्रमिक विकास का विश्लेषण करना ।
- पुनरुत्थानवाद की क्रांतिकारी भूमिका
- हिन्दी के पुनर्जागरण और नवजागरण कालीन साहित्य का अध्ययन करना
- हिन्दी के नए स्वरुप, शिल्पसे परिचित होना

Syllabus Content :

इकाई एक

आधुनिक कविता : स्वरुप और विवेचन

कविता : संकल्पना

आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि और नए संदर्भ

आधुनिक हिन्दी कविता : नवजागरण और स्वतंत्रता आंदोलन

आधुनिक हिन्दी कविता : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

आधुनिक युग की रचनात्मक चुनौतियाँ और हिन्दी का आख्यानमूलक काव्य

इकाई : 1

मैथिलीशरण गुप्त की काव्य-यात्रा

साकेत : राष्ट्रीय चेतना, युगीन आदर्श, नारी भावना और काव्यत्व

कविताओं की व्याख्या एवं आलोचना

मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा (सखि वे मुझसे कहकर जाते)

मुकुटधर पांडेय : मेरा प्रकृति प्रेम

इकाई : 2

छायावादी काव्यांदोलन : उद्भव एवं विकास, नवीन रचना-दृष्टि और सौन्दर्य भावना

छायावाद : काव्य-यात्रा एवं विकास प्रक्रिया

प्रमुख स्तम्भ कवि जयशंकर प्रसाद, निराला, महादेवी वर्मा, पंत : काव्य यात्रा एवं नए संदर्भ

कामायनी : प्रेरणा, कल्पना, विषयवस्तु, जीवन दर्शन, युगीन संदर्भ, महाकाव्यत्व

कविताओं की व्याख्या एवं आलोचना

महादेवी वर्मा : मधुर मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुःख की बदली

जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता सर्ग)

सुमित्रा नंदन पंत : नौका-विहार

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : स्नेह निर्झर बह गया है, गहन है यह अंधकारा

इकाई : 3

प्रगतिवाद : काव्य-यात्रा एवं विकास प्रक्रिया

कविताओं की व्याख्या एवं आलोचना

नागार्जुन : प्रेत का बयान, बादल को घिरते देखा है

केदारनाथ अग्रवाल : चंद्रगहना से लौटती बेर, मैं घूमूँगा केन किनारे, जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ है

इकाई : 4

प्रयोगवाद : काव्य-यात्रा एवं विकास प्रक्रिया

कविताओं की व्याख्या एवं आलोचना

अज्ञेय : कलगी बाजरे की, बावरा अहेरी

इकाई : 5

समकालीन कविता : काव्य-यात्रा एवं विकास प्रक्रिया

कविताओं की व्याख्या एवं आलोचना

मुक्तिबोध : भूलगलती

धूमिल : मोचीराम

भवानी प्रसाद मिश्र : सतपुड़ा के जंगल

कुँवर नारायण सिंह : पूर्वाभास (आत्मजयी)

केदारनाथ सिंह : बनारस

अनामिका : सत्रह बरस का प्रतियोगी परीक्षार्थी, कूड़ा बीनते बच्चे

सहायक ग्रंथ :

1. 'छायावाद' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां' : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'कविता के नए प्रतिमान' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'कविता समय' : डॉ. गौरी त्रिपाठी : उत्कर्ष प्रकाशन, कानपुर।
5. 'नयी कविता और अस्तित्ववाद' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'कविता का जनपद' : अशोक वाजपेयी : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'नयी कविता : एक साक्ष्य' : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. 'समकालीन कविता का व्याकरण' : परमानंद श्रीवास्तव : शुभदा प्रकाशन, दिल्ली।
9. 'कामायनी : एक पुनर्विचार' : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes

- 20वीं सदी में भारतीय समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में मध्यवर्ग की प्रभावी भूमिका बनने लगी थी।
- समाज को देखने का उसका यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिक आग्रह आदि इस युग की आधुनिक काव्य में नाना शिल्प विधान के साथ मूर्तमान हो उठे थे।
- इस प्रश्न पत्र का अध्ययन बीसवीं सदी के ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक हलचलों का एक साथ अध्ययन होगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Slightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER V

प्रश्न-पत्र : MAJOR 2

कथेतर गद्य विधाएं

Course Objective:

- नवजागरण की पृष्ठभूमि।
- हिन्दी गद्य का विकास।
- आधुनिक साहित्य के सरोकारों से परिचय।
- जीवन के नानाविध प्रसंगों की मुखर अभिव्यक्ति।
- सामाजिकता की जगह वैयक्तिकता का स्थानापन्न।

Syllabus Content:

इकाई एक

कथेतर गद्य विधाएँ : स्वरुप और विकास

हिन्दी गद्य की निर्माण-भूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य :

गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खाँ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारेहिन्द एवं राजा लक्ष्मण सिंह का योगदान।

भारतेन्दु युग : आधुनिकता और हिन्दी गद्य का अन्तर्सम्बन्ध, गद्य की भाषा, खडी बोली की निर्माण-भूमि।

हिन्दी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्व। रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, व्यंग्य एवं निबंध का उद्भव और विकास।

इकाई दो

हिन्दी निबंध : उद्भव एवं विकास, विविध प्रकार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

रामचन्द्र शुक्ल : लोभ और प्रीति

प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

विवेकी राय : उठ जाग मुसाफिर

इकाई तीन

रेखाचित्र : सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

रामवृक्ष बेनीपुरी : गेहूं बनाम गुलाब

महादेवी वर्मा : भक्तिन

यात्रा वृत्तांत : सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : अरे यायावर रहेगा याद

अनिल यादव : यह भी कोई देश है महराज

इकाई चार

संस्मरण : सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषा और तत्व

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

शिवपूजन सहाय : वे दिन वे लोग

व्यंग्य : सामान्य परिचय, स्वरुप और विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर : हरिशंकर परसाई

इकाई पाँच

जीवनी : सामान्य परिचय और विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

मानस का हंस : अमृतलाल नागर

आत्मकथा : सामान्य परिचय, स्वरुप और विकास

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

बसेरे से दूर : हरिवंश राय बच्चन

एक कहानी यह भी : मन्नू भण्डारी

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक हिन्दी गद्य का विकास और विश्लेषण, विजयमोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
4. हिन्दी कथेतर गद्य : परंपरा और प्रयोग, दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- सामाजिकता की जगह वैयक्तिकता के स्थानापन्न के कारणोंकी समझ विकसित करना।
- तत्कालीन समाज व्यवस्था में निर्देशित सामाजिक मूल्यों के अध्ययन की सहायता से सुसंस्कृत समाज की स्थापना।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।
- स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आशाओं और आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि मिलेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER V

प्रश्न-पत्र : MAJOR 3

हिन्दी नाटक एवं एकांकी

Course Objective :

- नए विषयों की तलाश ।
- नुक्कड़ नाटक और एकांकी की व्यावसायिक संभावनाओं की तलाश ।

Syllabus Content :

इकाई 1

नाटक : स्वरुप व विवेचन

नाटक : परिभाषा, स्वरुप एवं भेद

हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास

हिन्दी नाटक के प्रमुख तत्व

इकाई 2

रंगमंच और नाटक का अंतरसंबंध

नाटक और रंगमंच के तत्व और शैलियाँ

रंगमंच : संकल्पना एवं स्वरुप (सामान्य परिचय)

हिन्दी रंगमंच का उद्भव एवं विकास

हिन्दी के प्रमुख मंचीय नाटक : सामान्य परिचय

आधे-अधूरे : मोहन राकेश

माधवी : भीष्म साहनी

इकाई 3

स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी नाटक

भारतेन्दु का नाट्य चिंतन और अंधेर नगरी

जयशंकर प्रसाद का नाट्य चिंतन और स्कन्दगुप्त

इकाई 4

स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी नाटक

स्वतंत्रयोत्तर रंग दृष्टि एवं मोहन राकेश

आठवाँ सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा

लक्ष्मीनारायण लाल : मादा कैक्टस

इकाई 5

एकांकी : स्वरुप, विवेचन एवं भेद

नाटक और एकांकी में अंतर

एकांकी का उद्भव और विकास

एकांकी के प्रमुख तत्व व शैलियाँ

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा

अपना-अपना जूता : लक्ष्मीकांत वर्मा

अंजो दीदी : उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथ :

1. भारतेंदु युग और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र : देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

Course Learning Outcomes :

- अभिनय क्षमता के विकास से आज के समृद्ध सिनेमा बाजार में व्यवसाय की प्रचुर संभावनाएं विद्यमान हैं ।
- परम्परागत रुप से लिखे गए नाटक और एकांकी का अध्ययन इस दृष्टि से सर्वाधिक प्रासंगिक और संभावनापूर्ण है ।
- न सिर्फ अभिनय के क्षेत्र में बल्कि पटकथा लेखन में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हिन्दी के बाजार और व्यवसाय का रास्ता खोलती है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	2	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER V

प्रश्न-पत्र : MINOR -1

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Course Objective:

- दैनिक व्यवहार के लिए उपयोगी।
- भाषा और लेखन में सुधार।
- वर्णमाला और उच्चारणगत शुद्धता।
- भाषा और बोली का परिचय।
- कार्यालयी भाषा और साहित्यिक भाषा का अनुप्रयोग।

Syllabus Content :

इकाई एक

प्रयोजनमूलक हिन्दी अभिप्राय और परिव्याप्ति

प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ

प्रयोजनमूलक हिन्दी, बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर

प्रयोजनमूलक हिन्दी के नामकरण की समस्या

प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रुप

प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा से उसके सम्बन्ध

ई-लेखन के विविध आयाम : देवनागरी फाण्ट, यूनीकोड, राजभाषा-साफ्टवेयर

इकाई दो

हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास

भाषा की विशेषताएँ, हिन्दी का मानकीकरण, भाषा और बोली : स्वरुप और अंतर ।

मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रुप में हिन्दी :

सम्पर्क भाषा एवं राजभाषा के रुप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी।

इकाई तीन

कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका प्रयोग

कार्यालयी हिन्दी बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी से अंतर

कार्यालयी हिन्दी की विशेषताएं

कार्यालयी हिन्दी की उपयोगिता एवं उसका महत्व

प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार :

कार्यालयी हिन्दी, तकनीकी हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) में हिन्दी।

इकाई चार

प्रयोजनमूलक हिन्दी का व्यावहारिक स्वरुप

टिप्पणी स्वरुप एवं प्रकार

संक्षेपण अर्थ एवं प्रक्रिया

प्रतिवेदन अर्थ एवं विशेषताएं

प्रारुपण महत्व और विशेषताएं

इकाई पाँच

भाषा व्यवहार :

कार्यालयी पत्र के प्रकार सरकारी (शासकीय पत्र), अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालयी आदेश, कार्यालयी ज्ञापन, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति एवं परिपत्र, सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, पल्लवन और संक्षेपण, पत्र-लेखन ।

शब्द ज्ञान :

शब्द शुद्धि, पर्यायवाची, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, पारिभाषिक शब्दावली

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिदृश्य : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर
3. हिन्दी उर्दू और हिन्दुस्तानी : पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अनुवाद और उत्तर आधुनिक अवधारणाएं : श्री नारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग से परिचय।
- कार्यालयी हिन्दी के रचनात्मक स्वरुप को विकसित करने की संभावना।
- हिन्दी के व्यावसायिकता की संभावना विकसित हो सकेगी।
- साहित्यिक हिन्दी की रचनात्मकता का ज्ञान।
- अनुवाद के माध्यम से वैश्विक परिदृश्य की समझ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER V

प्रश्न-पत्र : VOCATIONAL COURSES (VOC)

कम्प्यूटर में हिन्दी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार

Course Objective:

- कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली का परिचय।
- नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता।
- हिन्दी भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता।
- कार्यालयी भाषा के अनुप्रयोग की समझ।
- औपचारिक एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी के कार्यशैली की जानकारी

Syllabus Content:

इकाई एक

कार्यालयीन हिन्दी का स्वरुप, उद्देश्य एवं क्षेत्र

कार्यालयीन हिन्दी का स्वरुप एवं उद्देश्य

कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी

हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ : कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, जनसंचार माध्यम आदि ।

राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान

इकाई दो

हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण)

देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्ष्ट एवं टेक्ष्ट टू स्पीच

हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, आभासी कक्षाएं

इकाई तीन

कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली

शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

कार्यालयीन हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली

इकाई चार

कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालयीन आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालयीन ज्ञापन, विज्ञापन, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र

प्रारुपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिन्दी का मानकीकरण

प्रारुपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारुपण लेखन की पद्धति

टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर

इकाई पांच

कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि अनुप्रयोग

कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास

विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ शोधन

प्रायोगिक कार्य

कम्प्यूटर टाइपिंग, फॉण्ट का ज्ञान ।

हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स ।

यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.टी.पी., पोस्टर निर्माण, स्पीच-टू-टेक्ट एवंटेक्ट-टू-स्पीच ।

हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय ।

संदर्भ ग्रन्थ

1. रामचंद्र सिंह सागर, कार्यालय कार्य-विधि, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली
2. डॉ. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्वांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. डॉ. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरुप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विजयकुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. संतोष गोयल, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रो. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कंप्यूटर एवं कार्यालयी भाषा की समझ
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के कार्यविधि एवं अनुप्रयोग का कौशल
- जनसंचार और हिन्दी के पारिभाषिक तत्वों की पहचान
- कंप्यूटर में हिन्दी के अनुप्रयोग की दक्षता
- कंप्यूटर और हिन्दी की रोजगारपरक संभावनाएं

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER V

प्रश्न-पत्र : INTERNSHIP

परियोजना कार्य, फील्ड वर्क

Course Objective :

- छात्रों के बीच रचनात्मक लेखन का विकास करने की दृष्टि से साहित्य के नए-नए विषयों की तलाश ।
- समाज व संस्कृति की पहचान करना
- साहित्य के विविध विधाओं के माध्यम से संदर्भों में व्याख्यायित करना ।
- साहित्य और आलोचना दृष्टि
- समाजशास्त्रीय अध्ययन
- सृजनात्मक क्षमता का विकास

Syllabus Content :

- ❖ साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन
  अथवा
- ❖ साहित्य की व्यावसायिक संभावनाओं के सन्दर्भ में से किसी एक विषय का चयन

Course Learning Outcomes :

- यह प्रश्नपत्र छात्र द्वारा समस्त अर्जित ज्ञान सम्पदा की प्रामाणिक प्रस्तुति के साथ ही अगर वह कभी भविष्य में कोई शोध करना चाहता है, तो यह उसकी पूर्व पीठिका भी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्रीय या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।
- परंपरागत रुप से हिन्दी साहित्य का अध्ययन जीवन-मूल्यों के निर्धारण में बेहद महत्त्वपूर्ण होने के बावजूद उसके बाजार मूल्य की संभावना अत्यंत क्षीण थी ।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है ।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

SEMESTER VI

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER VI

प्रश्न-पत्र : MAJOR 1

भारतीय काव्यशास्त्र

Course Objective :

- काव्यांग विवेचन की प्रक्रिया से अवगत होना
- अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन देना
- प्रेम के उदात्त स्वरुप की पहचान
- अतीत-बोध के माध्यम से वर्तमान की समझ विकसित करना
- भारतीय काव्यशास्त्र के सम्प्रदायों से विद्यार्थियों को अवगत कराना

Syllabus Content :

इकाई 1

भारतीय काव्यशास्त्र के विधायक तत्व

काव्य लक्षण, काव्य गुण, काव्य दोष, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य स्वरुप, काव्यवृत्ति, काव्य प्रतिभा

इकाई 2

प्रमुख सिद्धांत

रस सिद्धान्त : रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण ।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण ।

अलंकार सिद्धान्त : अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय

इकाई 3

प्रमुख सिद्धांत

रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण ।

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

औचित्य सिद्धान्त : औचित्य की अवधारणा

इकाई 4

संस्कृत काव्यशास्त्र में भाषा विवेचन

(क) शब्द शक्तियाँ,

(ख) शब्दार्थ-मीमांसा, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, स्फोट, ध्वनि, वृत्तियां।

इकाई 5

हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय ।

हिन्दी काव्यशास्त्र की रुपरेखा

(क) भक्तिकालीन कवियों के काव्य सिद्धान्त और भक्ति रस

(ख) रीतिकालीन आचार्यों के काव्य सिद्धान्त और मौलिक उद्भावनाएं : आत्म सजगता, पदविन्यास, कलात्मकता

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा– डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

2. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ. तारकनाथ बाली, वाणीप्रकाशन, नयी दिल्ली

3. काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना – डॉ. रामचंद्र तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
5. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव मिश्र, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. संस्कृत आलोचना, बलदेव उपाध्याय

Course Learning Outcomes :

- भारतीय काव्यशास्त्र मूलतः हमारी भारतीय संस्कृति का शास्त्र है ।
- संस्कृति में होने वाले परिवर्तनों का प्रभाव काव्यशास्त्रियों के भिन्न चिंतन और उनकी चिंताओं का इतिहास है ।
- साहित्य के भीतर समाज को देखना और उसे परम्परागत दृष्टियों से रेखांकित करने की प्रवृत्ति विकसित होगी ।
- भाषा और साहित्य को पढ़ने तथा उसके सामाजिक उपदेयों की समझ विकसित होगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	2
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	2	2	2	1	3
CO 4	3	3	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER VI

प्रश्न-पत्र : MAJOR 2

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Objective :

- पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के विवेचन और विश्लेषण से परिचित कराना ।
- साहित्य की सुदीर्घ परम्परा का अवलोकन कराना ।
- कला जीवन के लिए या कला कला के लिए है । कला के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों का अध्ययन करना ।
- साहित्य के नए प्रतिमानों, स्वच्छंदतवादी आलोचना का अध्ययन करना ।
- पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद का अध्ययन करना ।

Syllabus Content :

इकाई : 1

- पाश्चात्य साहित्य चिंतन की परंपरा
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन पर विविध अनुशासनों का प्रभाव ।
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन के इतिहास की रुपरेखा

इकाई : 2

- प्लेटो एवं अरस्तू की स्थिति और उनके सिद्धान्त : विरेचन, अनुकरण, ट्रैजिडी तथा लिरिक महाकाव्य
- पुनर्जागरण एवं नवशास्त्रवादी युग - शाश्वत एवं अपरिवर्तनीय प्रतिमानों की मांग, निर्णयात्मक आलोचना की प्रगति।

इकाई : 3

- स्वछंदतावादी युग के प्रतिमान, दर्शन तथा पृष्ठभूमि, स्वच्छन्दतावादी आलोचना की स्थिति
- वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत
- कालरिज़ : कल्पना और फैन्टेसी सिद्धांत
- लॉनजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई : 4

- क्रोचे की सौन्दर्य दृष्टि एवं आलोचना, अभिव्यंजनावाद ।
- आधुनिक युग में आलोचना की स्थिति तथा नई समीक्षा
- टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा का सिद्धांत
- आई ए रिचड्र्स : मूल्य, सम्प्रेषण और काव्य-भाषा सिद्धांत

इकाई : 5

- विशिष्ट समकालीन आलोचक तथा उनके सिद्धान्त : रोलाबार्थ, देरिदा : संरचना, पाठ और विच्छेदन।
- रुपवाद, रुसीरुपवाद, नई समीक्षा मिथक, फंतासी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा : डॉ0 नगेंद्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली।
2. संस्कृत काव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
3. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर बुक्स, इंदौर।

6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद : सूर्य प्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- पाश्चात्य और भारतीय आचार्य कला का मूल्यांकन किन आधारों पर कैसे किया करते थे ? उन मूलभूत आधारों में दृष्टिगत भिन्नता और समानता के तत्वों का अध्ययन इस प्रश्नपत्र की मूल अंतर्वस्तु है।
- पाश्चात्य विचारकों के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी आलोचना की नयी-नयी धाराओं को स्पष्ट किया सकेगा ।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं । इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	1	2	3	2	1	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	2	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER VI

प्रश्न-पत्र : MAJOR 3

हिन्दी कहानी एवं उपन्यास

Course Objective:

- हिन्दी कथा साहित्य का क्रमबद्ध विकास
- कथा साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- कथा साहित्य में आदर्श और यथार्थ
- कथा साहित्य में जनधर्मिता
- कथा साहित्य में बदलता समय और समाज

Syllabus Content:

इकाई तीन

हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, हिन्दी कहानी के तत्व

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी, प्रमुख कहानीकार।

प्रेमचंद युगीन हिन्दी कहानी, प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

दुलाईवाली : राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला)

आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद

पंच परमेश्वर : प्रेमचंद

राजा निरबंसिया : कमलेश्वर

कृष्णकली : शिवानी

इकाई एक

हिन्दी उपन्यास : परिभाषा एवं स्वरुप

उपन्यास का उद्भव और विकास

उपन्यास के तत्व एवं प्रकार

इकाई दो

उपन्यास लेखन कला

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास

प्रेमचंदकालीन हिन्दी उपन्यास

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

रंगभूमि : प्रेमचंद

नौकर की कमीज : विनोद कुमार शुक्ल

सहायक ग्रंथ :

7. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
9. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. हिन्दी कहानी का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- कथा साहित्य समाज को दिशा निर्देशित करता है।
- समाज के विकास की दिशा और विभिन्न कालावधियों में उसकी प्रवृत्तियों का अध्ययन के लिए आवश्यक है।
- भारतीय इतिहास और समाज के सांस्कृतिक पक्ष को जानना आवश्यक है ।
- कथा जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है। इसे जानना आवश्यक है ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	2
CO 3	3	3	2	3	1	2	2	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER VI

प्रश्न-पत्र : MINOR

राष्ट्रीय काव्य धारा

Course Objective :

- स्वतन्त्रता संघर्ष के दौरान न सिर्फ राजनैतिकों की भागीदारी हो रही थी, बल्कि राष्ट्रीयता जैसे सामाजिक मूल्यों का विकास राष्ट्रीय काव्यधारा के माध्यम से हमारे साहित्यकारों की भी भागीदारी को अभिव्यक्त करता है ।

Syllabus Content :

इकाई 1

हिन्दी कविता : संकल्पना, स्वरुप और विवेचन

हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि और नए संदर्भ

आधुनिक हिन्दी कविता : नवजागरण और स्वतंत्रता आंदोलन

आधुनिक हिन्दी कविता : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई 2

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

मैथिलीशरण गुप्त : भारत-भारती (अतीत खंड) - संदर्भ : (भारत-भारती : मैथिलीशरण गुप्त)

माखनलाल चतुर्वेदी : अमर राष्ट्र - संदर्भ : (माखनलाल चतुर्वेदी रचनावली : सं. श्रीकांत जोशी)

इकाई 3

जयशंकर प्रसाद की काव्य यात्रा

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

क. अरुण यह मधुमय देश हमारा...

ख. हिमाद्रि तुंग श्रृंग से... संदर्भ : ('चन्द्रगुप्त' नाटक से)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – जागो फिर एकबार

इकाई 4

सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्य यात्रा

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

झाँसी की रानी - संदर्भ : (हिन्दी की श्रेष्ठ कविताएँ : सं. राजीव मणि)

इकाई 5

रामधारी सिंह दिनकर की काव्य यात्रा

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

क. मेरे नगपति! मेरे विशाल! - संदर्भ : (रेणुका : रामधारी सिंह दिनकर)

ख. श्वानों को मिलता दूध-वस्त्र, भूखे बालक अकुलाते हैं - संदर्भ : (हुँकार : रामधारी सिंह दिनकर)

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. हिन्दी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. आधुनिक काव्य यात्रा : रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. तारसप्तक : अज्ञेय (सं), भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

5. कला का नेपथ्य : गौरी त्रिपाठी, उत्कर्ष प्रकाशन, कानपुर

Course Learning Outcomes :

- यह प्रश्नपत्र राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी भाषी प्रदेशों की जनाकांक्षाओं को अभिव्यक्त करता है ।
- भारतीय संस्कृति और जीवन-मूल्यों को परिचित कराता यह प्रश्नपत्र छात्रों में अपनी संस्कृति तथा राष्ट्रीय चेतना का बोध पैदा करेगा ।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	3	2	3
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	3	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER VI

प्रश्न-पत्र : VOCATIONAL COURCE (VOC)

समीक्षा लेखन

Course Objective :

- नाटकों एवं एकांकियों का अभिनय ।
- फिल्म की भाषा और लेखन का ज्ञान
- पीढ़ियों के बदलाव और नए समाजबोध का अध्ययन
- सूचना और ज्ञान में अंतर की पहचान
- सोशल मीडिया के नए उपादानों का ज्ञान

Syllabus Content :

इकाई : एक

समीक्षा लेखन का स्वरुप
समीक्षा लेखन के प्रमुख तत्व
समीक्षा लेखन की सावधानियाँ
समीक्षा लेखन और भाषा

इकाई : दो

फिल्म समीक्षा : परिचय और स्वरुप, सामाजिक उपादान
साहित्य और सिनेमा का अंतरसंबंध
विभिन्न साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों की समीक्षा – सारा आकाश, तमस, शतरंज के खिलाड़ी
विभिन्न साहित्यिक कृतियों पर आधारित धारावाहिक – भारत : एक खोज, नीम का पेड़, मालगुड़ी डेज

इकाई : तीन

पुस्तक समीक्षा : परिचय और स्वरुप
पुस्तक समीक्षा के प्रमुख तत्व, सामग्री संकलन और विश्लेषण
पुस्तक समीक्षा के प्रकार : परिचयात्मक समीक्षा, विश्लेषणात्मक समीक्षा, मूल्यांकनपरक समीक्षा
पुस्तक समीक्षा की सावधानियाँ

इकाई : चार

हिन्दी कहानियों की व्यावहारिक समीक्षा
प्रेमचंद, यशपाल, मन्नू भण्डारी, सुदर्शन, शिवानी की प्रमुख कहानियाँ ।

इकाई : पांच

हिन्दी उपन्यासों की व्यावहारिक समीक्षा
ममता कालिया – दौड़, काशीनाथ सिंह - अपना मोर्चा, जुलूस – फणीश्वरनाथ रेणु

सहायक ग्रंथ :

1. पुस्तक समीक्षा का इतिहास, डॉ. श्रीमती संतोष संघी, मोहनलल राका एंड कंपनी, जयपुर
2. पुस्तक समीक्षा का परिदृश्य, संपादक शिवनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. काव्य पुस्तक समीक्षा का स्वरुप, संपादक रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. फिल्म पत्रकारिता, विनोद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	1	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

SEMESTER VII

शोध के साथ ऑनर्स की डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VII

प्रश्न पत्र– MAJOR 1

हिन्दी आलोचना

Course Objective :

- आलोचना विधा के सभी पहलुओं से परिचित कराना ।
- प्रगतिवादी आलोचनाओं और उनके मुख्य स्थापनाओं और आलोचकों से परिचित कराना ।
- नयी कविता आन्दोलन व नयी कहानी आन्दोलन का आलोचनात्मक विश्लेषण करना ।
- उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना के नए सिद्धांतों से परिचित कराना ।
- रचना को देखने की नई दृष्टियों से परिचित कराना ।
- साहित्य के पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ के तमाम पहलुओं से परिचित कराना ।

Syllabus Content:

इकाई : 1

हिन्दी आलोचना : सामान्य परिचय

भारतेन्दु युग : बालकृष्ण भट्ट

द्विवेदी युग : लाला भगवानदीन, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बन्धु, कृष्णबिहारी मिश्र, पद्मसिंह शर्मा

इकाई : 2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना

शुक्लानुवर्ती और शुक्लोत्तर आलोचक : एक सामान्य परिचय

शुक्लानुवर्ती आलोचक : डॉ. नगेन्द्र, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

शुक्लोत्तर आलोचक : नन्ददुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई : 3

प्रगतिवादी आलोचना : मुख्य स्थापनाएं

प्रगतिशील लेखक संघ और उसका घोषणा पत्र

शिवदान सिंह चौहान, राहुल सांकृत्यायन, अमृत राय

रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मुक्तिबोध, मैनेजर पाण्डेय

इकाई : 4

नयी कविता आन्दोलन, नयी कहानी आन्दोलन : सामान्य परिचय

प्रमुख आलोचक : अज्ञेय, रामस्वरुप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, देवी शंकर अवस्थी

इकाई : 5

समकालीन हिन्दी आलोचना

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ

उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना

प्रमुख आलोचक : निर्मला जैन, रोहिणी अग्रवाल, माधव हाड़ा, वंदना टेटे, डॉ. धर्मवीर

दलित, स्त्री एवं आदिवासी विमर्श और हिन्दी आलोचना

सन्दर्भ-सूची

1. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना
2. रामविलास शर्मा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
3. निर्मला जैन, हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी
4. नामवर सिंह, इतिहास और आलोचना
5. देवीशंकर अवस्थी, आलोचना का द्वंद्व
6. शिवकुमार मिश्र, यथार्थवाद
7. रमेश कुमार, नवजागरण और हिन्दी आलोचना
8. शिवकुमार मिश्र, हिन्दी आलोचना की परम्परा और रामचंद्र शुक्ल
9. कबीर के आलोचक, डॉ. धर्मवीर
10. आलोचना के सिद्धांत, शिवदान सिंह चौहान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नन्द दुलारे बाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी आलोचकों के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी आलोचना की नयी-नयी धाराएं स्पष्ट हो सकेंगी ।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं । इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा ।
- साहित्य के भीतर समाज को देखना और उसे परम्परागत दृष्टियों से रेखांकित करने की प्रवृत्ति विकसित होगी ।
- भाषा और साहित्य को पढ़ने तथा उसके सामाजिक उपदेयों की समझ विकसित होगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Slightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VII

प्रश्न पत्र – MAJOR 2

अस्मितामूलक विमर्श

Course Objective :

- 21 वीं सदी के साहित्य से परिचय कराना ।
- उत्तर आधुनिकता की साहित्यिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण करना ।
- साहित्य के प्रमुख विमर्शों का अध्ययन कराना ।
- स्त्रीवादी आंदोलनों के अंतर्वस्तु व विचारधारा से परिचित कराना ।
- साहित्य को देखने की एक नई दृष्टि विकसित कराना ।

Syllabus Content :

इकाई : 1

विमर्श : सिद्धांत एवं स्वरूप

स्त्रीवाद एवं स्त्री विमर्श: सिद्धान्त और अवधारणाएँ, स्त्रीवादऔर जेण्डर-विमर्श

स्त्रीमुक्ति आंदोलन / स्त्रीवादी आंदोलन: ऐतिहासिक विकास, प्रमुख मुद्दे

प्रगतिशील साहित्य में स्त्री-मुक्ति का प्रश्न एवं अवधारणा

स्त्रीवादी / स्त्रीमुक्ति की समकालीन (उत्तर-आधुनिक, उत्तर-औपनिवेशिक) अवधारणाएँ

इकाई : 2

मध्यकालीन साहित्य एवं नवजागरणकालीन साहित्य में स्त्री-प्रश्न और स्त्री लेखन

स्त्री पत्रकारिता - प्रमुख पत्रिकाएँ, मुख्य प्रश्न, आधुनिक स्त्री वैचारिकी का निर्माण

समकालीन लेखन में स्त्री की उपस्थिति और उनका साहित्य

कविता में स्त्री और स्त्री की कविता : अंतर्वस्तु और विचारधारा, स्त्रीवादी कविता की काव्यभाषा, मुहावरा, लेकगीतों में स्त्री

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा

प्रेमचंद : निर्मला

कृष्णा सोबती : ऐ लड़की

श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा

इकाई : 3

दलित विमर्श : भाषा, वैचारिकी एवं सौन्दर्यशास्त्र

दलित विमर्श एवं साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : उत्तर अम्बेडकर दलित चिंतन व प्रमुख संदर्भ बिन्दु

दलित साहित्य की अवधारणा एवं विकास की परम्परा, समाजशास्त्र, सौन्दर्य दृष्टि, अध्ययन और आलोचना

हिन्दी दलित कविता की पृष्ठभूमि : अस्मिता का संघर्ष, विषयवस्तु, इतिहास बोध, सौंदर्य दृष्टि और काव्य भाषा एवं शिल्प

दलित साहित्य एवं चिंतन में स्त्री और दलित स्त्री

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

सद्गति : प्रेमचंद

अपना गाँव : मोहनदास नैमिशराय

दोहरा अभिशाप : कौशल्या बैसंत्री

हीरा डोम : अछूत की शिकायत

इकाई : 4

अदिवासी विमर्श : पृष्ठभूमि, आदिवासी संस्कृति और साहित्य की अवधारणा

वचिकता : पुरखा साहित्य, आदिवासी साहित्य को निर्मित करने वाले तत्व

आदिवासी दर्शन और साहित्य

हिन्दी साहित्य में आदिवासी समाज और संस्कृति की अभिव्यक्ति : प्रमुख आदिवासी विमर्शकार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना (कविताएं)

वीणा : सुशीला सामद, स्टेज : वाहरु सोनवने, ईश्वर और बाजार : जसिन्ता केरकेट्टा

नगाड़े की बजते शब्द : निर्मला पुतुल, पलाश के फूलने का समय है : अनुज लुगुन

इकाई : 5

अन्य विमर्श : सामान्य परिचय एवं अवधारणा

किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, वृद्ध विमर्श, विकलांग विमर्श

विमर्श के वर्तमान संदर्भ

सहायक ग्रंथ :

1. कामरेड का कोट : सृंजय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मिकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जाति व्यवस्था : सच्चिदानंद सिन्हा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ. के. एम. मालती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ : प्रभा खेतान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य : सं. श्योराज सिंह बैचेन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. आदिवासियत, अश्विनी पंकज, प्यार केरकेत्ता फाउंडेशन, रांची, झारखंड

Course Learning Outcomes :

- बीसवीं सदी के अंतिम दशक से विश्व स्तर पर शीतयुद्ध की समाप्ति, भूमंडलीकरण और बाजारवाद के वर्चस्व की वजह से साहित्य औरसमाज में उत्तर आधुनिक युग का प्रारंभ हुआ।
- साहित्य में सबाल्टर्न डिस्कोर्स की पृष्ठभूमि बननी शुरु हुई। जो अबतक हाशिये पर थे वे केंद्र बनने लगे।
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श आदि की वैचारिकी उसकी परंपरा आदि का अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VII

प्रश्न पत्र – MAJOR 3

शोध प्रविधि

Course Objective :

- समाजशास्त्रीय मूल्याँकन
- साहित्य और इतिहास
- पाठालोचन

Syllabus Content :

इकाई : 1

शोध : अर्थ, परिभाषा और स्वरुप

शोध की व्युत्पत्ति, आलोचना, अनुसंधान, अन्वेषण एवं शोध का अंतर।

शोध का प्रयोजन, शोध के मूल तत्व, शोध और सृजनात्मकता।

इकाई : 2

शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध, पाठ संबंधित शोध, वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध।

शोध की प्रक्रिया - विषय चयन, विषय की रुपरेखा, सामग्री संकलन, तथ्य संकलन, संदर्भ सूची।

इकाई : 3

सामग्री संकलन की प्रक्रिया: शोध का व्यावहारिक पक्ष, अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध-प्रस्ताव, प्राथमिक स्रोत, द्वितीयक स्रोत ।

संक्षिप्त परिचय - भाषानुसंधान एवं तुलनात्मक अनुसंधान।

इकाई : 4

पाठानुसंधान : आशय, स्वरुप और सीमा, पाठ निर्धारण एवं प्रक्रिया।

सामग्री संकलन के स्रोत- खोज, रिपोर्ट, कैटलॉग, पुस्तकें, संस्थान,

पाठनुसंधान और पाठालोचन में अंतर, पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत

इकाई : 5

शोध एवं प्रकाशन संबंधी नैतिकता : साहित्यिक चोरी, विषय का सामयिक महत्त्व, शोध विषय की मौलिकता, सन्दर्भ एवं उद्धरणों का महत्त्व, प्रकाशन की मौलिकता, शोध-प्रविधि में मौलिकता का महत्त्व ।

युनिकोड, पीपीटी निर्माण, वर्ड फाइल बनाना ।

सहायक ग्रंथ :

1. शोध प्रविधि, डॉ. विनय मोहन शर्मा, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शोध और सिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.हिन्दी अनुसन्धान, डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. पाठालोचन, डॉ. सियाराम तिवारी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, इंद्रनाथ चौधुरी, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- किसी भी तरह के शोधपरक आलेख, लघु शोध प्रबंध हेतु शोध प्रविधियों और उनकी सैद्धांतिक प्रक्रियाओं से अवगत होने के लिए यह प्रश्नपत्र आवश्यक है।

- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं । इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage 1- Slightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)
सेमेस्टर – VII
प्रश्न पत्र – MINOR
आधुनिक भारतीय काव्य

Course Objective :

- भारतीयता की अवधारणा का अध्ययन व विश्लेषण करना
- साहित्य के संदर्भ में समाज व साहित्य का समाजशास्त्रीय मूल्याँकन
- साहित्य और इतिहास
- राष्ट्रीय चेतना व आधुनिकता की अवधारणा को पुष्ट करना ।

Syllabus Content :

इकाई : 1

आधुनिक भारतीय साहित्य की अवधारणा,
भारतीय कविता की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,
बीसवीं सदी की भारतीय कविता में राष्ट्रीयता के स्वर

इकाई : 2

असमिया कविता : नीलमणि फूकन - कविता
हीरेन भट्टाचार्य - अनाज ही सत्य है तुम अनाज की मिसाल हो
उर्दू कविता : फ़िराक़ गोरखपुरी - इश्क़ और मौत
कैफ़ी आज़मी - किसान

इकाई : 3

ओड़िया कविता : सीताकांत महापात्र - हमारी ही ढूँढ़ मची है
कश्मीरी कविता : चंद्रकांता - 'निष्कासितों की बस्ती
पंजाबी कविता : अमृता प्रीतम - मैं तुम्हें फिर मिलूंगी
गुजराती कविता : उमाशंकर जोशी - वर दे इतना

इकाई : 4

बांग्ला कविता : काज़ी नज़रुल इस्लाम - किसका है यह देश
जीवनानन्द दास - बनलता सेन
मराठी कविता : कुसुमाग्रज - याचक
मलयालम कविता : अय्यप्प पणिक्कर - समाचार

इकाई : 5

तमिल कविता : सुब्रह्मण्य भारती - स्वतंत्रता
मैथिली कविता : वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'- दोहाई हे लिबर्टी मैया
राजस्थानी कविता : कन्हैया लाल सेठिया - नज़र

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक भारतीय कविता, सं. डॉ0 अवधेश नारायण मिश्र, डॉ0 नंदकिशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रविन्द्रनाथ के निबंध, भाग-2, अनुवादक-अमृतराय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

3. आज का भारतीय साहित्य, प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

4. भारतीय कविता में राष्ट्रीय चेतना, सं0-जगदीश चतुर्वेदी, केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- भारतीयता की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे ।
- आधुनिक भारतीय साहित्य और हिन्दी साहित्य के अंतरसंबंधों से परिचित हो सकेंगे ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Slightly, 2- Moderately, 3- Strongly

SEMESTER VIII

शोध के साथ ऑनर्स की डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VIII

प्रश्न पत्र - MAJOR

समकालीन हिन्दी साहित्य

Course Objective :

- साहित्य के संदर्भ में समकालीनता की अवधारणा का विश्लेषण करना ।
- समकालीन कविता को विभिन्न संदर्भों में देखे जाने की समझ विकसित करना ।
- स्वातंत्रयोत्तर भारतीय मूल्यों में आए परिवर्तन एवं जनता के मोहभंग से परिचित कराना ।
- समकालीन कविता के प्रमुख नए शिल्प से परिचित कराना ।
- स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि विकसित करना ।
- साहित्य के संदर्भ में समाज व साहित्य का समाजशास्त्रीय मूल्याँकन

Syllabus Content :

इकाई : 1

साठ से अस्सी का दशक एवं हिन्दी साहित्य
अस्सी से नब्बे का दशक एवं हिन्दी साहित्य
नब्बे से इक्कीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य

इकाई : 2

कविता :

शमशेर बहादुर सिंह- भारत की आरती,
रामधारी सिंह दिनकर- उर्वशी (तृतीय सर्ग),
आलोक धन्वा- जिलाधीश, धर्मवीर भारती- कनुप्रिया,
कुंवर नारायण आत्मजयी का कुछ अंश,
ज्ञानेंद्रपति: ट्राम में एक याद, सुदामा पांडे 'धूमिल': जनतंत्र के सूर्योदय में

इकाई : 3

कथा साहित्य :

अपने-अपने अजनबी : सच्चिदानंद हीरानंद अज्ञेय, बचपन खंभे लाल दीवारें : उषा प्रियंवदा, अंधेरे का आदमी : जगदीश चतुर्वेदी, निर्मल वर्मा: सूखा, शिव प्रसाद सिंह : आर-पार की माला, कृष्णा सोबती- जिंदगीनामा, महीप सिंह -दिल्ली कहां है, ओमप्रकाश वाल्मीकि : पच्चीस चौका डेढ़ सौ

इकाई : 4

कथेतर साहित्य :

गांधार की भिक्षुणी : विष्णु प्रभाकर (नाटक), महाभारत की एक साँझ: भारत भूषण अग्रवाल (एकांकी), कुबेरनाथ राय : भारतीय इतिहास दृष्टि और रामकथा (रामायण महातीर्थम निबंध से), सदाचार का ताबीज : हरिशंकर परसाई (व्यंग्य), अन्य से अनन्या : प्रभा खेतान (आत्मकथा)

इकाई : 5

आलोचना :

सैद्धांतिक आलोचना, व्यावहारिक आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना, समाजशास्त्रीय आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, अस्मितावादी आलोचना

प्रमुख आलोचक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेई, नागेंद्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मैनेजर पांडे, निर्मला जैन, ओमप्रकाश वाल्मीकि

सहायक सूची

1. हिन्दी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2007
2. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2006
3. हिन्दी आलोचना का विकास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2007
4. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2007
5. हिन्दी साहित्य कोश, सम्पादक धीरेंद्र वर्मा, ज्ञानमंडल, वाराणसी, 2020
6. विवेक के रंग, सम्पादक देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1995
7. कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2008
8. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2010
9. कहानी: नयी कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करण 2009
10. दूसरी परंपरा की खोज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2008
11. आलोचना की सामाजिकता, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2005
12. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1995
13. उपन्यास की संरचना, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2006
14. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2008
15. हिन्दी दलित साहित्य रचना और विचार, पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी, आतिश प्रकाशन, दिल्ली, 1997

Course Outcomes:

- विद्यार्थी को हिन्दी आलोचना की ऐतिहासिकता से परिचित कराना।
- आलोचनात्मक बोध विकसित करना।
- रचना के विश्लेषण की रणनीतियों से परिचित कराना।
- आलोचना और समाज के सम्बन्धों की पड़ताल में सक्षम बनाना।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VIII

प्रश्न पत्र – MINOR

हिन्दी विज्ञान गल्प

Course objective:

- हिन्दी साहित्य के छात्रों को विज्ञान गल्प से रु-ब-रु कराना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों में वैज्ञानिक चेतना व सोच का निर्माण करना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रगति से परिचय कराना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों में वैज्ञानिक अनुसंन्धान एवं विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों से परिचित कराना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों को मानव जीवन में विज्ञान गल्प की सामाजिक उपयोगिता को बताना ।

Syllabus Content

इकाई - एक

हिन्दी विज्ञान गल्प : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप व विशेषताएँ

हिन्दी विज्ञान गल्प : उद्भव एवं विकास

इकाई – दो

हिन्दी साहित्य में विज्ञान कथा की परम्परा :

स्वतंत्रता पूर्व, स्वतंत्रता के पश्चात्, समकालीन दौर में, पश्चिम में विज्ञान कथा की परंपरा

हिन्दी में अनुदित विज्ञान गल्प : स्वरुप और परिचय

हिन्दी विज्ञान गल्प : भाषा, शैली एवं शिल्प

इकाई - तीन

हिन्दी विज्ञान कथाओं का वर्गीकरण : इन्टरनेट, रोबोट, टेस्ट टयूब बेबी, आर्टिफीसियल इंटेलीज़ेन्स (AI), अंतरिक्ष, नैनो तकनीक, पर्यावरण, समुद्र विज्ञान आदि

हिन्दी विज्ञान कथाओं की सामाजिक प्रासंगिकता

इकाई - चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कहानियाँ

देवेंद्र मेवाड़ी – भविष्य, कोख

डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय – आधुनिक ययाति, खांसी

डॉ. अरविन्द्र मिश्र – एक क्रौचं वध

डॉ. बाल फोडके – बीता हुआ भविष्य

हरीश गोयल – मानव क्लोन और तृतीय विश्व युद्ध

इकाई - पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

उपन्यास

राहुल सांस्कृत्यायन – बाईसवीं सदी

ओमप्रकाश शर्मा – मंगल यात्रा

विजय चितौरी – ग्रीन बेबी

कल्पना कुलश्रेष्ठ – उस सदी की बात

जयंत विष्णु नारिर्रलकर - यक्षोपहार

सहायक ग्रन्थ :

1. भारती विज्ञान कथाएँ – शुकदेव प्रसाद – किताब घर प्रकाशन , नई दिल्ली
2. विश्व विज्ञान कथाएँ - शुकदेव प्रसाद - किताब घर प्रकाशन , नई दिल्ली
3. विज्ञान कथा इनसैक्लोपिडिया - डॉ राजीव रंजन उपाध्याय, हरीश गोयल, डॉ अरविन्द मिश्र – किताब घर प्रकाशन,नई दिल्ली
4. ग्रीन बेबी - विजय चितौरी आईसेक्ट विश्विद्यालय,भोपाल
5. एक और क्रौचं वध – डॉ अरविन्द मिश्र - प्रकाशन – लोक साधना केंद्र व वाराणसी
6. कोख – देवेन्द्र मेवाड़ी - प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. भविष्य - देवेन्द्र मेवाड़ी - प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. विज्ञान कथा (पत्रिका) – सम्पादक – डॉ राजीव रंजन उपाध्याय, प्रकाशक – भारती विज्ञान समिति फ़ैजाबाद
9. विज्ञान (पत्रिका) – संपादक डॉ शिव गोपाल मिश्र,प्रकाशक – प्रयाग विज्ञान परिषद, प्रयागराज

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)
सेमेस्टर – VIII
प्रश्न पत्र – लघु शोध-प्रबंध
(Research Project/ Dissertation)

Course Objective :

- साहित्य और आलोचना दृष्टि
- समाजशास्त्रीय अध्ययन
- सृजनात्मक क्षमता का विकास

Syllabus Content :

- साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन
  अथवा
- साहित्य की व्यावसायिक संभावनाओं के सन्दर्भ में से किसी एक विषय का चयन

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्न-पत्र के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को एक लघु शोध-प्रबंध लिखना होगा ।
- विषय का चयन छात्र तथा संबद्ध अध्यापक के विचार-विमर्श से तैयार करके विभागीय समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- विभागीय समिति में विभाग के समस्त अध्यापक उपस्थित रहेंगे जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष करेगा।

Course Learning Outcomes:

- यह प्रश्नपत्र छात्र द्वारा समस्त अर्जित ज्ञान सम्पदा की प्रामाणिक प्रस्तुति के साथ ही अगर वह कभी भविष्य में कोई शोध करना चाहता है, तो यह उसकी पूर्व पीठिका भी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्रीय या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	3	3	2	3	3	2	1	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	3	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

SEMESTER VII

सिर्फ ऑनर्स की डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VII

प्रश्न पत्र– MAJOR 1

हिन्दी आलोचना

Course Objective :

- आलोचना विधा के सभी पहलुओं से परिचित कराना ।
- प्रगतिवादी आलोचनाओं और उनके मुख्य स्थापनाओं और आलोचकों से परिचित कराना ।
- नयी कविता आन्दोलन व नयी कहानी आन्दोलन का आलोचनात्मक विश्लेषण करना ।
- उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना के नए सिद्धांतों से परिचित कराना ।
- रचना को देखने की नई दृष्टियों से परिचित कराना ।
- साहित्य के पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ के तमाम पहलुओं से परिचित कराना ।

Syllabus Content:

इकाई : 1

हिन्दी आलोचना : सामान्य परिचय

भारतेन्दु युग : बालकृष्ण भट्ट

द्विवेदी युग : लाला भगवानदीन, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बन्धु, कृष्णबिहारी मिश्र, पद्मसिंह शर्मा

इकाई : 2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना

शुक्लानुवर्ती और शुक्लोत्तर आलोचक : एक सामान्य परिचय

शुक्लानुवर्ती आलोचक : डॉ0 नगेन्द्र, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

शुक्लोत्तर आलोचक : नन्ददुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई : 3

प्रगतिवादी आलोचना : मुख्य स्थापनाएं

प्रगतिशील लेखक संघ और उसका घोषणा पत्र

शिवदान सिंह चौहान, राहुल सांकृत्यायन, अमृत राय

रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मुक्तिबोध, मैनेजर पाण्डेय

इकाई : 4

नयी कविता आन्दोलन, नयी कहानी आन्दोलन : सामान्य परिचय

प्रमुख आलोचक : अज्ञेय, रामस्वरुप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, देवी शंकर अवस्थी

इकाई : 5

समकालीन हिन्दी आलोचना

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ

उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना

प्रमुख आलोचक : निर्मला जैन, रोहिणी अग्रवाल, माधव हाड़ा, वंदना टेटे, डॉ. धर्मवीर

दलित, स्त्री एवं आदिवासी विमर्श और हिन्दी आलोचना

सन्दर्भ-सूची

1. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना
2. रामविलास शर्मा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
3. निर्मला जैन, हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी
4. नामवर सिंह, इतिहास और आलोचना
5. देवीशंकर अवस्थी, आलोचना का द्वंद्व
6. शिवकुमार मिश्र, यथार्थवाद
7. रमेश कुमार, नवजागरण और हिन्दी आलोचना
8. शिवकुमार मिश्र, हिन्दी आलोचना की परम्परा और रामचंद्र शुक्ल
9. कबीर के आलोचक, डॉ. धर्मवीर
10. आलोचना के सिद्धांत, शिवदान सिंह चौहान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नन्द दुलारे बाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी आलोचकों के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी आलोचना की नयी-नयी धाराएं स्पष्ट हो सकेंगी ।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं । इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा ।
- साहित्य के भीतर समाज को देखना और उसे परम्परागत दृष्टियों से रेखांकित करने की प्रवृत्ति विकसित होगी ।
- भाषा और साहित्य को पढ़ने तथा उसके सामाजिक उपदेयों की समझ विकसित होगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage 1- Slightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VII

प्रश्न पत्र – MAJOR 2

अस्मितामूलक विमर्श

Course Objective :

- 21 वीं सदी के साहित्य से परिचय कराना ।
- उत्तर आधुनिकता की साहित्यिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण करना ।
- साहित्य के प्रमुख विमर्शों का अध्ययन कराना ।
- स्त्रीवादी आंदोलनों के अंतर्वस्तु व विचारधारा से परिचित कराना ।
- साहित्य को देखने की एक नई दृष्टि विकसित कराना ।

Syllabus Content :

इकाई : 1

विमर्श : सिद्धांत एवं स्वरूप

स्त्रीवाद एवं स्त्री विमर्श: सिद्धान्त और अवधारणाएँ, स्त्रीवादऔर जेण्डर-विमर्श

स्त्रीमुक्ति आंदोलन / स्त्रीवादी आंदोलन: ऐतिहासिक विकास, प्रमुख मुद्दे

प्रगतिशील साहित्य में स्त्री-मुक्ति का प्रश्न एवं अवधारणा

स्त्रीवादी / स्त्रीमुक्ति की समकालीन (उत्तर-आधुनिक, उत्तर-औपनिवेशिक) अवधारणाएँ

इकाई : 2

मध्यकालीन साहित्य एवं नवजागरणकालीन साहित्य में स्त्री-प्रश्न और स्त्री लेखन

स्त्री पत्रकारिता - प्रमुख पत्रिकाएँ, मुख्य प्रश्न, आधुनिक स्त्री वैचारिकी का निर्माण

समकालीन लेखन में स्त्री की उपस्थिति और उनका साहित्य

कविता में स्त्री और स्त्री की कविता : अंतर्वस्तु और विचारधारा, स्त्रीवादी कविता की काव्यभाषा, मुहावरा, लेकगीतों में स्त्री

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा

प्रेमचंद : निर्मला

कृष्णा सोबती : ऐ लड़की

श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा

इकाई : 3

दलित विमर्श : भाषा, वैचारिकी एवं सौन्दर्यशास्त्र

दलित विमर्श एवं साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्त्रोत : उत्तर अम्बेडकर दलित चिंतन व प्रमुख संदर्भ बिन्दु

दलित साहित्य की अवधारणा एवं विकास की परम्परा, समाजशास्त्र, सौन्दर्य दृष्टि, अध्ययन और आलोचना

हिन्दी दलित कविता की पृष्ठभूमि : अस्मिता का संघर्ष, विषयवस्तु, इतिहास बोध, सौंदर्य दृष्टि और काव्य भाषा एवं शिल्प

दलित साहित्य एवं चिंतन में स्त्री और दलित स्त्री

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

सद्गति : प्रेमचंद

अपना गाँव : मोहनदास नैमिशराय

दोहरा अभिशाप : कौशल्या बैसंत्री

हीरा डोम : अछूत की शिकायत

इकाई : 4

अदिवासी विमर्श : पृष्ठभूमि, आदिवासी संस्कृति और साहित्य की अवधारणा

वचिकता : पुरखा साहित्य, आदिवासी साहित्य को निर्मित करने वाले तत्व

आदिवासी दर्शन और साहित्य

हिन्दी साहित्य में आदिवासी समाज और संस्कृति की अभिव्यक्ति : प्रमुख आदिवासी विमर्शकार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना (कविताएं)

वीणा : सुशीला सामद, स्टेज : वाहरु सोनवने, ईश्वर और बाजार : जसिन्ता केरकेट्टा

नगाड़े की बजते शब्द : निर्मला पुतुल, पलाश के फूलने का समय है : अनुज लुगुन

इकाई : 5

अन्य विमर्श : सामान्य परिचय एवं अवधारणा

किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, वृद्ध विमर्श, विकलांग विमर्श

विमर्श के वर्तमान संदर्भ

सहायक ग्रंथ :

1. कामरेड का कोट : सृंजय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मिकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जाति व्यवस्था : सच्चिदानंद सिन्हा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ. के. एम. मालती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ : प्रभा खेतान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य : सं. श्योराज सिंह बैचेन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- बीसवीं सदी के अंतिम दशक से विश्व स्तर पर शीतयुद्ध की समाप्ति, भूमंडलीकरण और बाजारवाद के वर्चस्व की वजह से साहित्य औरसमाज में उत्तर आधुनिक युग का प्रारंभ हुआ।
- साहित्य में सबाल्टर्न डिस्कोर्स की पृष्ठभूमि बननी शुरु हुई। जो अबतक हाशिये पर थे वे केंद्र बनने लगे।
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श आदि की वैचारिकी उसकी परंपरा आदि का अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VII

प्रश्न पत्र – MAJOR 3

हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

Course Objective :

- हिन्दी के समाचार-पत्र जिस तरह अपने समाज, सत्ता और राजनीति के प्रति जागरूक करते हैं, उसी तरह साहित्यिक पत्रकारिता साहित्यकारों की वैचारिकता और रचनात्मकता के प्रति जागरूक करते हुए साहित्य की नयी-नयी प्रवृत्तियों और विमर्शों से परिचित कराती है ।

Syllabus Content :

इकाई 1

साहित्यिक पत्रकारिता : अर्थ, अवधारणा और महत्व ।

भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ ।

इकाई 2

द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ ।

प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ ।

इकाई 3

स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ ।

समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ ।

इकाई 4

साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका ।

महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : उदंत मार्तंड, बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदुस्तान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता ।

सहायक ग्रंथ :

1. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- आज साहित्यिक पत्रकारिता का व्यवसाय अत्यधिक सम्भावनाओं से भरा हुआ है ।
- लगभग हर जिले से कोई न कोई साहित्यिक पत्रिका प्रकाशित हो रही है ।
- यह प्रश्नपत्र छात्रों को साहित्यिक पत्रकारिता के इतिहास तथा बाजार बनाती उसकी संभावना के लिए बेहद उपयोगी है ।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है ।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	2
CO 2	3	2	3	3	3	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VII

प्रश्न पत्र – SEMINAR

संगोष्ठी/शोध पत्र

Course Objective :

- साहित्य और आलोचना दृष्टि
- समाजशास्त्रीय अध्ययन
- सृजनात्मक क्षमता का विकास

Syllabus Content :

- ❖ साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन
  अथवा
- ❖ साहित्य की व्यावसायिक संभावनाओं के सन्दर्भ में से किसी एक विषय पर शोध-पत्र लेखन ।

सामान्य निर्देश

- ➢ इस प्रश्न-पत्र के अंतर्गत संबंधित अध्यापक के मार्गदर्शन में प्रत्येक विद्यार्थी को एक शोध-पत्र लिखना होगा ।

Course Learning Outcomes:

- यह प्रश्नपत्र छात्र द्वारा समस्त अर्जित ज्ञान सम्पदा की प्रामाणिक प्रस्तुति के साथ ही अगर वह कभी भविष्य में कोई शोध करना चाहता है, तो यह उसकी पूर्व पीठिका भी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्रीय या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

SEMESTER VIII

सिर्फ ऑनर्स की डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VIII

प्रश्न पत्र – MAJOR 1

भक्ति आंदोलन एवं हिन्दी का भक्ति साहित्य

Course Objective :

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करनाकिसी भी समाज का लोक साहित्य समष्टि की सृजनशीलता का परिणाम होता है।

Syllabus Content :

इकाई एक

भक्ति : अवधारणा व चिंतन

भक्ति आंदोलन : पृष्ठभूमि एवं विस्तार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

प्रमुख संप्रदाय : सगुण एवं निर्गुण के उपविभाजन एवं उसके दार्शनिक आधार

प्रमुख सिद्धांत एवं दर्शन : अद्वैत, विशिष्टाद्वैत, द्वैताद्वैत, शुद्धाद्वैत, आलवार एवं नायनार

इकाई दो

भक्ति आंदोलन के प्रमुख आलोचक –

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, के. दामोदरन, गजानन माधव मुक्तिबोध

इकाई तीन

हिन्दी भक्ति आंदोलन, रामानुज एवं रामानंद का प्रभाव

भारतीय निर्गुण चेतना एवं निर्गुण काव्य परंपरा

कृष्ण भक्ति काव्य, अष्टछाप एवं वल्लभाचार्य

सामाजिक समन्वय की चेतना एवं रामकाव्य परंपरा

सांस्कृतिक समन्वय की चेतना एवं सूफी काव्य परंपरा

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

आलवार संत : कुछ पद - तिरुविरुत्तम (दिव्यप्रबंधम) (संदर्भ - कविता समय संपादक डॉ. गौरी त्रिपाठी)

कबीर : पद संख्या 160-170 तक (संदर्भ : कबीर - संपादक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

जायसी : मानसरोदक खंड (संदर्भ : जायसी ग्रंथावली – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

तुलसीदास : उत्तरकांड (कवितावली) (गीता प्रेस, गोरखपुर)

मीरा : प्रारंभ से 15 पद (मीरा पदावली- विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

सूरदास : पद संख्या 21-50 तक भ्रमरगीत सार (भ्रमरगीत सार- संपादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

सहायक ग्रंथ :

15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक डॉ नगेंद्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
16. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
17. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1999
18. भक्ति के आयाम, डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
19. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. मध्यकालीन हिन्दी काव्य का स्त्री पक्ष, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
21. मध्यकालीन हिंदी भक्ति काव्य : पुनर्मूल्यांकन के आयाम, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बना सकेंगे।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिलभारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।
- प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।
- आदि एवं मध्ययुगीन काव्य के सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Slightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VIII

प्रश्न पत्र – MAJOR 2

प्रवासी एवं लोक-साहित्य

Course Objective :

- किसी भी समाज का लोक साहित्य समष्टि की सृजनशीलता का परिणाम होता है।
- किसी भी समाज की संस्कृति और जीवन-मूल्यों को लोक साहित्य के माध्यम से पहचाना और जाना जा सकता है।
- हिंदी साहित्य का मध्यकाल वह आधारभूमि है जिस पर साहित्य का आधुनिक युग और उसके समकालीन सन्दर्भ विकसित हुए हैं।
- बाजार के अत्यधिक दवाब के बावजूद आज के साहित्य को अपनी परम्परा से जोड़े रखने में मध्यकालीन छंद विन्यास और उसकी भाव संवेदना का अध्ययन आवश्यक है।

Syllabus Content :

इकाई एक

प्रवासी हिन्दी साहित्य : स्वरुप और विश्लेषण

प्रवासी साहित्य : अर्थ, परिभाषा और स्वरुप

प्रवासी भारतीयों की सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति

प्रवासी भारतीय और हिन्दी साहित्य

प्रवासी भारतीय साहित्य की विशेषताएं

इकाई दो

प्रवासी हिन्दी साहित्य और साहित्यकार

कवि एवं कविताएं –

पुष्पिता अवस्थी : मैं जानती हूँ, अकेलेपन के अझेल क्षणों में

कहानी एवं कहानीकार –

अर्चना पेन्युली : मीरा बनाम सिल्विया, कितनी माँएं है मेरी

उपन्यास एवं उपन्यासकार –

अभिमन्यु अनंत : लाल पसीना

सुषम बेदी :

इकाई तीन

लोक-साहित्य : स्वरुप और अवधारणा

लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति,

साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ ।

भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रुपों का वर्गीकरण।

इकाई चार

लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत ।

हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि । हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव ।

लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी ।

लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथा रुढ़ियाँ और अंधविश्वास ।

इकाई पाँच

लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरें, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ ।

लोकनृत्य एवं लोकसंगीत ।

सहायक ग्रंथ :

1. कला और संस्कृति : वासुदेव शरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक संस्कृति और इतिहास : बद्रीनारायण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक संस्कृति में राष्ट्रवाद : बद्रीनारायण, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. आँचलिकता और लोक जीवन : विनम्र सेन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- हमारा लोक साहित्य मूलतः समष्टि की सृजनशीलता के परिणाम हैं।
- लोक कथाएँ और लोक गीत नयी तकनीक के माध्यम से दृश्य चित्रों और मार्मिक गीतों के सचित्र प्रसार में व्यापक संभावनाएं समेटे हुए हैं।
- इसके मद्देनजर हमें परम्परागत हिंदी का बाजार निर्मित करने की ओर ध्यान देना है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।
- लोक का अपना लोक होता है । उसे साहित्य के माध्यम से समझ से देखने का प्रयास होगा ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Slightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VIII

प्रश्न पत्र – MINOR 1

हिन्दी विज्ञान गल्प

Course objective:

- हिन्दी साहित्य के छात्रों को विज्ञान गल्प से रु-ब-रु कराना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों में वैज्ञानिक चेतना व सोच का निर्माण करना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रगति से परिचय कराना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों में वैज्ञानिक अनुसंन्धान एवं विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों से परिचित कराना ।
- हिन्दी साहित्य के छात्रों को मानव जीवन में विज्ञान गल्प की सामाजिक उपयोगिता को बताना ।

Syllabus Content

इकाई - एक

हिन्दी विज्ञान गल्प : अर्थ, परिभाषा, मापदंड, आशय व विशेषताएँ

हिन्दी विज्ञान गल्प : उदभव एवं विकास

इकाई – दो

हिन्दी साहित्य में विज्ञान कथा की परम्परा :

स्वतंत्रता पूर्व, स्वतंत्रता के पश्चात्, समकालीन दौर में, पश्चिम में विज्ञान कथा की परंपरा

हिन्दी में अनुदित विज्ञान गल्प : स्वरुप और परिचय

हिन्दी विज्ञान गल्प : भाषा, शैली एवं शिल्प

इकाई - तीन

हिन्दी विज्ञान कथाओं का वर्गीकरण : इन्टरनेट, रोबोट, टेस्ट टयूब बेबी, आर्टिफीसियल इंटेलीज़ेन्स (AI), अंतरिक्ष, नैनो तकनीकि, पर्यावरण, समुद्र विज्ञान आदि

हिन्दी विज्ञान कथाओं की सामाजिक उपयोगिता

इकाई - चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कहानियाँ

देवेंद्र मेवाड़ी – भविष्य, कोख

डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय – आधुनिक ययाति, खांसी

डॉ. अरविन्द्र मिश्र – एक क्रौचं वध

डॉ. बाल फोडके – बीता हुआ भविष्य

हरीश गोयल – मानव क्लोन और तृतीय विश्व युद्ध

इकाई - पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

उपन्यास

राहुल सांस्कृत्यायन – बाईसवीं सदी

ओमप्रकाश शर्मा – मंगल यात्रा

विजय चितौरी – ग्रीन बेबी

कल्पना कुलश्रेष्ठ – उस सदी की बात

जयंत विष्णु नारिर्रलकर - यक्षोपहार

सहायक ग्रन्थ :

10. भारती विज्ञान कथाएँ – शुकदेव प्रसाद – किताब घर प्रकाशन , नई दिल्ली
11. विश्व विज्ञान कथाएँ - शुकदेव प्रसाद - किताब घर प्रकाशन , नई दिल्ली
12. विज्ञान कथा इनसैक्लोपिडिया - डॉ राजीव रंजन उपाध्याय, हरीश गोयल, डॉ अरविन्द मिश्र – किताब घर प्रकाशन,नई दिल्ली
13. ग्रीन बेबी - विजय चितौरी आईसेक्ट विश्विद्यालय,भोपाल
14. एक और क्रौचं वध – डॉ अरविन्द मिश्र - प्रकाशन – लोक साधना केंद्र व वाराणसी
15. कोख – देवेन्द्र मेवाड़ी - प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
16. भविष्य - देवेन्द्र मेवाड़ी - प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
17. विज्ञान कथा (पत्रिका) – सम्पादक – डॉ राजीव रंजन उपाध्याय, प्रकाशक – भारती विज्ञान समिति फ़ैजाबाद
18. विज्ञान (पत्रिका) – संपादक डॉ शिव गोपाल मिश्र,प्रकाशक – प्रयाग विज्ञान परिषद, प्रयागराज

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VIII

प्रश्न पत्र – MINOR 2

छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य

Course objective :

- छत्तीसगढ़ी भाषा व साहित्य का अध्ययन
- साहित्य व बोली के माध्यम से लोक के अंतरसंबंधों का अध्ययन
- हिन्दी साहित्य और छत्तीसगढ़ी के अंतरसंबंधों का मूल्यांकन
- बोलियों के माध्यम से क्षेत्रीय चेतन व राष्ट्रीय चेतना का अध्ययन

Syllabus content

इकाई – एक

छत्तीसगढ़ी साहित्य : भौगोलिक क्षेत्र, स्वरुप व विशेषताएं

छत्तीसगढ़ी साहित्य की संत परंपरा (प्राचीन से वर्तमान तक)

छत्तीसगढ़ी सिनेमा : स्वरुप और परिचय

छत्तीसगढ़ी साहित्य और हिन्दी साहित्य का अंतरसंबंध

इकाई – दो

छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय

छत्तीसगढ़ी भाषा : विकास क्रम, व्याकरणिक कोटियाँ

बोलियों के स्तर पर छत्तीसगढ़ी का योगदान

इकाई – तीन

छत्तीसगढ़ी साहित्य : प्रमुख कवि एवं कविताएं

नरेन्द्र देव वर्मा	: अरपा पैरी के धार (छत्तीसगढ़ी राजकीय गीत)
पंडित सुंन्दरलाल शर्मा	: छत्तीसगढ़ी दानलीला
लाला जगदलपुरी	: बरखा, नाचे सोन चिरैया
हरि ठाकुर	: बादर गीत, सुरता
लक्ष्मण मस्तुरिया	: मोर संग चलव रे, तोर मोर भेंट कहां मेर होही

इकाई – चार

छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य के प्रमुख लेखक एवं उनकी रचनाएँ

शिवशंकर शुक्ल	: मया के अँचरा
पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी	: जंगों के जोमदी
डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा	: नाव के नेह मा
लोक बाबू	: बस्तर-बस्तर

इकाई – पाँच

छत्तीसगढ़ी : लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य, लोक सुभाषित : सामान्य परिचय

लोक-गीत – ढोला मारु की गाथा, वॉस गीत

लोक-कथा - विकास क्रम, भावभिव्यंजना, कथाशिल्प, शिक्षाप्रद बातें

लोक-नाट्य –गीत, विभिन्न लोकनाट्य, लोकनाट्य से रुपांतरित फिल्में

सुभाषित – लोक कहावतें, छत्तीसगढ़ी हाना, मुहावरें, पहेलियाँ

Course Outcomes :

- छत्तीसगढ़ी भाषा व साहित्य का अध्ययन कर सकेंगे जिससे चौमुखी ज्ञान स्थापित होगा ।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

सहायक ग्रन्थ :-

1. हीरालाल शुक्ल – छत्तीसगढ़ी ज्ञानकोश
2. नरेन्द्र देव वर्मा – छत्तीसगढ़ी का उद्भव व विकास
3. नंदकिशोर तिवारी – छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
4. हीरालाल शुक्ल – प्राचीन छत्तीसगढ़
5. क्रांति कुमार – छत्तीसगढ़ी व्याकरण और कोश
6. बलदेव (संपा) – छत्तीसगढ़ी कविता के सौ साल
7. डॉ. सत्यभामा आडिल – जनपदीय भाषा – साहित्य छत्तीसगढ़ी
8. चित्तरंजन कर- छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ
9. बिहारी लाल साहू – छत्तीसगढ़ी साहित्य और भाषा

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिन्दी (ऑनर्स - शोध)

सेमेस्टर – VIII

प्रश्न पत्र – MAJOR 3

संगोष्ठी/शोध पत्र

Course Objective

- साहित्य और आलोचना दृष्टि
- समाजशास्त्रीय अध्ययन
- सृजनात्मक क्षमता का विकास

Syllabus Content :

- ❖ साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन
  अथवा
- ❖ साहित्य की व्यावसायिक संभावनाओं के सन्दर्भ में से किसी एक विषय पर शोध-पत्र लेखन ।

सामान्य निर्देश

- ➢ इस प्रश्न-पत्र के अंतर्गत संबंधित अध्यापक के मार्गदर्शन में प्रत्येक विद्यार्थी को एक शोध-पत्र लिखना होगा ।

Course Learning Outcomes:

- यह प्रश्नपत्र छात्र द्वारा समस्त अर्जित ज्ञान सम्पदा की प्रामाणिक प्रस्तुति के साथ ही अगर वह कभी भविष्य में कोई शोध करना चाहता है, तो यह उसकी पूर्व पीठिका भी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्रीय या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।